आज का विचार

जिसकी जैसी सोच वैसी कहानी रखता है। कोई परिंदों के लिए बंदूक तो कोई पानी रखता है।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़। बुधवार, 16 जुलाई, 2025 वर्ष 23, अंक 174, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

सीईटी की परीक्षा के सफल संचालन में अधिकारी-कर्मचारी परीक्षार्थियों के बने सहयोगी: राजेश खुल्लर

सीईटी की परीक्षा के लिए आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुरूप समय पर सभी प्रबंध सुनिश्चित हो

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर ने कहा कि आगामी 26 व 27 जुलाई को होने वाली सीईटी ग्रुप सी की परीक्षा के सफल संचालन में सभी अधिकारी-कर्मचारी परीक्षार्थियों का हर सम्भव सहयोग करें। किसी भी रूप से परीक्षार्थियों को परेशानी न हो। मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर की अध्यक्षता में आज यहां सीईटी की परीक्षा की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी सहित अन्य उच्चाधिकारियों उपस्थित रहे। इसके अलावा, सभी मंडलायुक्त, जिला उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक वीडियो कांफैसिंग के माध्यम से बैठक में जुडे। श्री राजेश खुल्लर ने बैठक में निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी परीक्षा केंद्रों पर

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की जाए और दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा केंद्रों पर छोड़ने के लिए अलग से व्यवस्था की जाए। इसके अलावा, उन्होंने यह भी कहा कि परीक्षा केंद्रों में कोई भी अधिकारी व कर्मचारी फोन नहीं ले जा सकेगा। उन्होंने निर्देश दिए कि 26 व 27 जुलाई को जिला प्रशासन के किसी भी अधिकारी व कर्मचारियों अवकाश न दिया जाए। यदि किसी भी अधिकारी व कर्मचारी को अवकाश दिया गया है तो उसे भी कैंसिल किया जाए। सीईटी परीक्षा के मद्देनजर आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन की अनुपालना सुनिश्चित कर समय रहते सभी तैयारियां पूरी की जाए। मुख्य प्रधान सचिव ने कहा कि जिलों में बने परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों को निर्धारित समयावधि में पहुंचाने के लिए व्यापक प्रबंध किए जा रहे है। उन्होंने बताया कि सभी जिलों में परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए जिला वार सुविधा हैल्पलाइन नम्बर जारी किया जाएगा। यदि किसी भी परीक्षार्थी को कोई परेशानी आती है तो वो उस नम्बर पर सम्पर्क कर सकेगा। उन्होंने इन नम्बरों को जल्द से जल्द जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिला प्रशासन के अधिकारी अपने-अपने जिलों में परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करे, यदि वहां किसी भी प्रकार की कमी है तो समय पर उस कमी को दूर किया जाए।

इस अवसर पर गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ सुमिता मिश्रा, स्कूल शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विनित गर्ग, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरूण कुमार गुप्ता, एडीजीपी श्री संजय सिंह, परिवहन विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री टी.एल. सत्याप्रकाश, यूएचबीवीएनएल के एमडी श्री अशोक कुमार मीणा, परिवहन विभाग के आयुक्त श्री अतुल कुमार, राज्य परिवहन के महानिदेशक श्री सुजान सिंह, मानव संसाधन विभाग के निदेशक श्री विनय प्रताप सिंह सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सी.ई.टी. परीक्षा के अभ्यर्थियों को परिवहन विभाग द्वारा निःशुल्क बस सुविधा उपलब्ध

हरियाणा सरकार सी.ई.टी. ग्रुप-सी परीक्षा के अभ्यर्थियों की सुविधा एवं सुगम परीक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पुख्ता इंतजाम कर रही है, ताकि किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केन्द्र तक पहुंचने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसी कड़ी में सरकार द्वारा परिवहन विभाग को विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वह सभी जिलों से अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्रों तक निःशुल्क बस सुविधा प्रदान करे। हरियाणा राज्य परिवहन के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि सरकार द्वारा हरियाणा के सभी जिलों में सी.ई.टी. ग्रुप-सी के लिए लिखित परीक्षा का आयोजन दिनांक 26 जुलाई एवं 27 जुलाई को निर्धारित किया गया है। इस परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों को नजदीकी जिला स्तरीय बस अड्डे से परीक्षा केन्द्र तक पहुंचाने व वापिस लाने की जिम्मेदारी परिवहन विभाग को सौंपी गई है। प्रवक्ता ने बताया कि जिला स्तरीय बस अड्डे से अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्रों तक पहुंचाने एवं वापसी की व्यवस्था संबंधित महाप्रबंधक द्वारा की जाएगी। हरियाणा राज्य परिवहन द्वारा अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्र तक ले जाने और वापसी के लिए निःशुल्क परिवहन सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। साथ ही, महिला अभ्यर्थियों के साथ एक पारिवारिक सदस्य को भी सहायक के रूप में निःशुल्क यात्रा की सुविधा दी जाएगी। प्रवक्ता ने बताया कि परीक्षा के प्रातःकालीन सत्र के लिए समय प्रातः 10:00 बजे से 11:45 बजे तथा सायंकालीन सत्र के लिए 15:00 बजे से 16:45 बजे निर्धारित किया गया है।

भारत के लिए गर्व का क्षण, मुस्कुराते हुए कैप्सूल से बाहर आए अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला सकुशल पृथ्वी पर वापस लौट आए हैं। उनके कैप्सूल ने कैलिफोर्निया के तट पर सफल लैंडिंग की। इसके बाद वे विशेषज्ञों की मदद से मुस्कुराते हुए कैप्सूल से बाहर आए। यह क्षण भारत के लिए ऐतिहासिक था क्योंकि शुक्ला पहले भारतीय हैं जिन्होंने किसी निजी मिशन के तहत आईएसएस की यात्रा की और सुरक्षित लौटे।

एक्सिओम 4 मिशन के तहत ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के ड्रैगन कैप्सूल ने मंगलवार को भारतीय समय के अनुसार दोपहर 3 बज कर दो मिनट पर कैलिफोर्निया के पास प्रशांत महासागर में स्प्लैशडाउन किया। इस दौरान उन्होंने हाथ उठाकर सबका अभिवादन किया। उन्होंने 18 दिनों में पहली बार गुरुत्वाकर्षण का अनुभव किया। इसके बाद शुभांशु शुक्ला को आइसोलेशन रूम में ले जा गया। अगले एक हफ्ते तक शुभांशु और अन्य एस्ट्रोनॉट्स को क्वारंटीन रखा जाएगा।

मंगलवार को पूरा देश अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की सफल वापसी पर नजरें गड़ाए बैठा था। अनुसंधान भवन में उनकी वापसी की लाइव कवरेज भी दिखाई जा रही थी। इस मौके पर केन्द्रीय मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह सहित कई अधिकारी मौजूद थे। उतरने के

करीब एक घंटे बाद जैसे ही ड्रैगन कैप्सूल का हैच खुला, सबसे पहले अमेरिका की अनुभवी अंतरिक्ष यात्री पेगी व्हिटसन बाहर निकलीं।

कुछ मिनट बाद शुभांशु शुक्ला मुस्कुराते हुए बाहर आए। सात दिनों तक पृथकवास में रहेंगे चारों अंतरिक्ष यात्रीअगले एक सप्ताह तक शुभांशु और अन्य एस्ट्रोनॉट्स को क्वारंटीन रखा जाएगा। अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने के कारण शरीर की हड्डियों, मांसपेशियों और संतुलन प्रणाली को फिर से अनुकूल बनाना जरूरी होता है। विशेषज्ञों की टीम लगातार उनके स्वास्थ्य मापदंडों की निगरानी कर रही है ताकि किसी प्रकार की जटिलता से बचा जा सके। एक्सिओम मिशन 4 के तहत किए गए 31 देशों के 60 वैज्ञानिक प्रयोग अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में 18 दिनों की यात्रा के दौरान एक्सिओम 4 मिशन के चार अंतरिक्ष यात्रियों ने 31 देशों के 60 साइंटिफिक एक्सपेरिमेंट्स को अंजाम दिया।

इनका मकसद स्पेस साइंस और हेल्थ टेक्नोलॉजी जैसे कई क्षेत्रों में नई जानकारी जुटाना था। यही डेटा और साइंटिफिक मैटेरियल आज धरती पर वापस लाया गया है। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने इस मिशन पर 7 प्रयोग पूरे किए। इसमें भारतीय टार्डिग्रेड, मायोजेनेसिस, मेथी और मूंग के बीज का अंकुरण, सायनोबैक्टीरिया, माइक्रोएल्गी, फसल बीज और वोयाजर डिस्प्ले पर प्रयोग योजना के अनुसार पूरे किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि 25 जून 2025 को फ्लोरिडा के कैनेडी अंतरिक्ष स्टेशन से स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट के जरिए यह मिशन सफलतापूर्वक लॉन्च हुआ। 26 जून को अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पहुंच गए और उन्होंने वहां 18 दिनों का अपना सफर शुरू किया।

शुभांशु शुक्ला को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने दी बधाई

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को उनकी ऐतिहासिक अंतरिक्ष यात्रा से सफलतापूर्वक पृथ्वी पर लौटने पर हार्दिक बधाई दी है। शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) का दौरा करने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री बन गए हैं। राष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट में कहा, ह्लग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का अंतरिक्ष यात्रा के बाद पृथ्वी पर हार्दिक स्वागत है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए एक्सिओम मिशन 4 के संचालन में उनकी भूमिका ने भारत के अंतरिक्ष अन्वेषण के साथ-साथ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए नया मील का पत्थर स्थापित किया है। इस मिशन से जुड़े सभी लोगों को मेरी ओर से बधाई। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, ह्लहमें देशवासियों के साथ ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का पृथ्वी पर ऐतिहासिक अंतरिक्ष मिशन से लौटने पर स्वागत करता हूं। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा करने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री के रूप में उन्होंने समर्पण, साहस और पायनियरिंग स्पिरिट के जरिए देश के एक अरब सपनों को प्रेरणा दी है। यह हमारे मानव अंतरिक्ष मिशन - गगनयान- की दिशा में एक और उपलब्धि है।

नशे का कहर ढाकर युवाओं की नस्लकुशी करने वालों पर कोई रहम नहीं होगा: भगवंत मान

जिन लोगों ने युवाओं के घरों में मातम बिछाया, वे अब जेल में सुविधाएँ मांग रहे हैं

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान ने आज स्पष्ट किया कि राज्य सरकार नशे का कहर बरपाकर युवाओं की बबार्दी के लिए जिम्मेदार 'जनरलों' के प्रति कोई नरमी नहीं बरतेगी। विधानसभा में युद्ध नशों विरुद्ध मुहिम पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे के कारोबार को सरंक्षण देने वाले कई प्रभावशाली नेता पहले ही जेल में डाले जा चुके हैं। उन्होंने खुलासा किया कि इन नेताओं पर आरोप है कि वे सरकारी गाड़ियों का इस्तेमाल नशा सप्लाई के लिए करते थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले किसी ने भी इन रसूखदारों को गिरफ्तार करने की हिम्मत नहीं दिखाई, परंतु उनकी सरकार ने ऐसा कर दिखाया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इन अपराधियों को ऐसी मिसाल-योग्य सजा दी जाएगी, जिससे भविष्य में कोई भी ऐसा जघन्य अपराध करने की हिम्मत न करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब नाभा जेल को चिट्टे वालों की जेल कहा जाने लगा है, क्योंकि जो लोग पहले नशे के नेटवर्क को चला रहे थे, वे अब जेल में सड़ रहे हैं और वहीं से सुविधाएं मांग रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जिन लोगों ने युवाओं के घरों में दुख का माहौल पैदा किया, वे अब किसी भी आराम के अधिकारी नहीं हैं। उन्होंने अपराध के

- पंजाब में एक पैसा भी नशा पैदा न होने के बावजूद बदनाम किया जा रहा है
- युद्ध नशों विरुद्ध की सफलता का श्रेय राज्य सरकार की ठोस रणनीति को जाता है

माध्यम से कमाई गई दौलत के खिलाफ सख्त कार्रवाई और सजा की बात करते हुए कहा कि इन अपराधियों की संपत्तियों को जब्त कर नष्ट किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने विपक्षी नेता बिक्रम मजीठिया पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उन्होंने अपने पूर्वजों की शक की विरासत को आगे बढ़ाते हुए पंजाब और इसके लोगों के पीठ में छुरा घोंपा। उन्होंने 1919 के जलियांवाला बाग नरसंहार का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि मजीठिया के पूर्वजों ने जनरल डायर के लिए रात का भोज आयोजित कर इतिहास को कलंकित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती अकाली नेताओं ने सत्ता में रहते हुए नशे के व्यापार को सरंक्षण दिया, जिससे लाखों युवाओं की ज़िंदगी तबाह हो गई। कहा कि जबकि अन्य राज्यों में नशे की स्थिति कहीं अधिक भयावह है, फिर भी पंजाब को योजनाबद्ध तरीके से बदनाम किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ विपक्षी ताकतों ने मेहनती पंजाबियों को नशेड़ी बताकर एक दुष्प्रचार अभियान चलाया।

जयशंकर ने की चीनी राष्ट्रपति से की मुलाकात, द्विपक्षीय संबंधों की प्रगति से कराया अवगत

एजेंसी (हि.स.)
बीजिंग

विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से शिष्टाचार मंगलवार को भेंट की और राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

डॉ जयशंकर ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों के साथ चीनी राष्ट्रपति से मुलाकात की। उन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शुभकामना संदेश प्रेषित किये। इसके साथ ही

द्विपक्षीय संबंधों की प्रगति के बारे में अवगत कराया। विदेश मंत्री ने एक्स पर इससे जुड़ी तस्वीर भी साझा की। उन्होंने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति शी को हमारे द्विपक्षीय संबंधों में हाल ही में हुई प्रगति से अवगत कराया। इस संबंध में वे दोनों देशों नेताओं के मार्गदर्शन को महत्व देते हैं। विदेश मंत्री चीन के तियानजिन में होने वाली एससीओ विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने यहां की यात्रा पर हैं। कल उन्होंने अपने चीनी समकक्ष के साथ वार्ता की थी। इसमें उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों में हालिया सकारात्मक प्रगति को बनाए रखने और सीमावर्ती मुद्दों के समाधान की आवश्यकता पर बल दिया था। उन्होंने कहा था कि यह आवश्यक है कि हम अपने संबंधों के प्रति एक दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाएँ और रणनीतिक संवाद को नियमित करें।

पद्म पुरस्कार-2026 के लिए 31 जुलाई, 2025 तक किए जा सकेंगे नामांकन

संवाददाता
चंडीगढ़

गणतंत्र दिवस, 2026 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कार-2026 के लिए ऑनलाइन नामांकन/सिफारिशें 15 मार्च 2025 से शुरू हो गई हैं। पद्म पुरस्कारों के नामांकन की अंतिम तारीख 31 जुलाई 2025 है। पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन/सिफारिशें राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर ऑनलाइन प्राप्त की जाएंगी।

पद्म पुरस्कार, अर्थात पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल हैं। वर्ष 1954 में स्थापित, इन पुरस्कारों की घोषणा प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। इन पुरस्कारों के अंतर्गत ह्यउत्कृष्ट कार्यह्न के लिए सम्मानित किया जाता है। पद्म पुरस्कार कला, साहित्य एवं शिक्षा, खेल, चिकित्सा, समाज सेवा, विज्ञान एवं इंजीनियरी, लोक कार्य, सिविल सेवा, व्यापार एवं उद्योग आदि जैसे सभी क्षेत्रों/विषयों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों/सेवा के लिए प्रदान किए जाते हैं। जाति, व्यवसाय, पद या लिंग के भेदभाव के बिना सभी व्यक्ति इन पुरस्कारों के लिए पात्र हैं। चिकित्सकों और वैज्ञानिकों को छोड़कर अन्य सरकारी सेवक, जिनमें सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में काम करने वाले सरकारी

सेवक भी शामिल है, पद्म पुरस्कारों के पात्र नहीं हैं।

सरकार पद्म पुरस्कारों को पीपल्स पद्म बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। अतः, सभी नागरिकों से अनुरोध है कि वे नामांकन/सिफारिशें करें। नागरिक स्वयं को भी नामित कर सकते हैं। महिलाओं, समाज के कमजोर वर्गों, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों, दिव्यांग व्यक्तियों और समाज के लिए निस्वार्थ सेवा कर रहे लोगों में से ऐसे प्रतिभाशाली व्यक्तियों की पहचान करने के ठोस प्रयास किए जा सकते हैं जिनकी उत्कृष्टता और उपलब्धियां वास्तव में पहचाने जाने योग्य हैं।

नामांकन/सिफारिशों में पोर्टल पर उपलब्ध प्रारूप में निर्दिष्ट सभी प्रासंगिक विवरण शामिल होने चाहिए, जिसमें वर्णनात्मक रूप में एक उद्धरण (अधिकतम 800 शब्द) शामिल होना चाहिए, जिसमें अनुशंसित व्यक्ति की संबंधित क्षेत्र/अनुशासन में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों/सेवा का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया हो।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर कौशल मेला एवं प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में युवाओं को उनके कौशल के अनुरूप रोजगार प्रदान करने के लिए प्रदेश सरकार निरन्तर प्रयत्नशील : योगी

संवाददाता
लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में युवाओं को उनके कौशल के अनुरूप रोजगार प्रदान करने के लिए प्रदेश सरकार निरन्तर प्रयत्नशील है। कुशल युवाओं के माध्यम से हम आत्म निर्भर और विकसित भारत के सपने को साकार कर पाएंगे। भारत को आत्म निर्भर और विकसित बनाने के लिए उत्तर प्रदेश को भी आत्म निर्भर और विकसित बनाना पड़ेगा। वर्ष 2029 तक प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 01 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश के प्रतिभाशाली युवाओं के माध्यम से हम इस लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री जी आज यहां विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर कौशल मेला एवं प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के पश्चात अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग की योजनाओं व कार्यक्रमों से लाभान्वित यूथ आइकॉन तथा टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के प्रतिनिधि, पी0आई0ए0 एवं ट्रेनिंग पार्टनर को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री जी के समक्ष व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग तथा मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रयागराज के मध्य एम0ओ0यू0 हस्ताक्षरित किया गया। कार्यक्रम के पश्चात मुख्यमंत्री जी ने 05 स्किल रथों को झण्डी दिखाकर रवाना किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इस वर्ष विश्व युवा कौशल दिवस की थीम ए0आई0 और डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त करना है। हमें वर्तमान की आधुनिक तकनीकों को अवश्य अपनाना चाहिए। रोबोटिक, ड्रोन टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इन्टेजीजेंस, श्री डी प्रिंटिंग आदि क्षेत्रों में युवाओं के लिए अनेक अवसर हैं। ए0सी0, फ्रिज, सीलिंग फैन, बिजली, जल जीवन मिशन, पी0एन0जी0 पाइप लाइन, वेल्डिंग तथा प्लम्बिंग आदि क्षेत्रां में भी कुशल युवाओं की मांग है। युवाओं को इन क्षेत्रों में पारंगत होना पड़ेगा। यह सब अच्छी ट्रेनिंग से सम्भव हो सकता है। इस दिशा में किए गए प्रयास सराहनीय है। लेकिन इन प्रयासों को और अधिक गति देने की आवश्यकता है। जापान सहित अनेक देशों ने उत्तर प्रदेश के स्किल युक्त युवाओं की मांग की है। अन्य देशों में रोजगार के लिए जाने वाले युवाओं को प्रदेश के आई0टी0आई0, स्किल डेवलपमेन्ट सेन्टर आदि संस्थाओं में सम्बन्धित देशों की भाषाओं की ट्रेनिंग प्रदान की जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज यहां यूथ आइकॉन को सम्मानित किया गया है। यह युवा परम्परागत शिक्षा प्राप्त करने के साथ-साथ कौशल विकास विभाग के स्तर पर कराये जा रहे प्रशिक्षण को प्राप्त कर 25 हजार रुपये से 01 लाख रुपये प्रतिमाह तक के पैकेज के साथ अपने जीवन में निरन्तर आगे बढ़ रहे हैं। उत्तर प्रदेश में कार्यों तथा मानव संसाधन की कोई कमी नहीं है। हमारे पास स्केल है, जिसे स्किल में बदलने के लिए अनेक प्रयास किये जा रहे हैं। प्रदेश सरकार 02 करोड़ युवाओं को डिजिटली सक्षम बनाने के लिए स्मार्टफोन तथा टैबलेट उपलब्ध करा रही है। इस योजना से अब तक 50 लाख युवाओं को लाभान्वित किया जा चुका है। प्रदेश सरकार ने टाटा टेक्नोलॉजीज के साथ मिलकर 150 राजकीय आई0टी0आई0 को न्यू एज टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ने का कार्य किया है। इनके माध्यम से इण्डस्ट्री और मार्केट की मांग के अनुरूप युवाओं को ट्रेड और ट्रेनिंग के साथ जोड़ने का काम किया है। यह उत्तर प्रदेश के युवाओं की स्केल को स्किल में बदलने के लिए किए जाने वाले प्रयास का एक उदाहरण है। व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) श्री कपिलदेव अग्रवाल ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने वित्त आयोग से हिमाचल के लिए विशेष पैकेज और ग्रीन फंड मांगा

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने मंगलवार को नई दिल्ली में 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया से भेंट कर हिमाचल प्रदेश की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने के लिए विशेष सहयोग का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार वित्तीय अनुशासन को मजबूत करने के लिए हर संभव कदम उठा रही है और सतत विकास लक्ष्यों समेत विभिन्न मानकों पर हिमाचल प्रदेश देश के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों में शामिल है।

मुख्यमंत्री ने वित्त आयोग से आग्रह किया कि पहाड़ी राज्यों में भौगोलिक परिस्थितियों और मुश्किल भौगोलिक हालात के चलते खर्च अन्य राज्यों की तुलना में कई गुना अधिक होता है। ऐसे में पहाड़ी राज्यों को उनकी जनसंख्या के अनुपात से कम से कम दोगुना हिस्सा मिलना चाहिए, ताकि विकास योजनाओं को सुचारु रूप से लागू किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि 15वें वित्त आयोग द्वारा राजस्व घाटा अनुदान में भारी कटौती के कारण प्रदेश को वित्तीय संकट का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए इसे फिर से बहाल किया जाए। मुख्यमंत्री ने वित्त आयोग से पहाड़ी राज्यों के लिए वार्षिक बजट में अलग से ग्रीन फंड का प्रावधान करने की भी मांग की और बताया कि इस मुद्दे पर वे प्रधानमंत्री से भी चर्चा कर चुके हैं। इसके साथ ही, राज्य सरकार द्वारा आपदा प्रबंधन, कर्ज से राहत, स्थानीय निकायों को अनुदान और विशेष अनुदान से जुड़े विभिन्न सुझाव भी डॉ. पनगड़िया को सौंपे और इन पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हिमाचल जैसे सीमित राजस्व संसाधनों वाले पहाड़ी राज्य के लिए विशेष पैकेज और मदद बेहद जरूरी है, ताकि राज्य की वित्तीय स्थिति को स्थिर किया जा सके और विकास योजनाओं को गति मिल सके।

वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. पनगड़िया ने मुख्यमंत्री को केंद्र की ओर से हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना और मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार राम सुभग सिंह भी उपस्थित रहे।

डोडा में यात्री वाहन खाई में गिरा, महिला सहित पांच लोगों की मौत, 17 घायल

एजेंसी (हि.स.)
डोडा

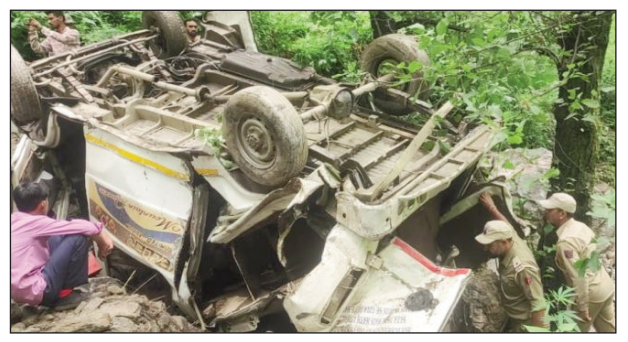

जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी जिले डोडा में मंगलवार को एक ओवरलोड यात्री वाहन के सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर गया। इस दुर्घटना में एक महिला समेत पांच लोगों की मौत हो गई और 17 लोग घायल हो गए। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने इस दुखद दुर्घटना में हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया है।

पुलिस के अनुसार यह दुर्घटना डोडा शहर से लगभग 30 किलोमीटर दूर पोंडा के पास डोडा-भरथ रोड पर सुबह करीब 9 बजे उस समय हुई, जब एक टैम्पो ट्रैवलर के चालक ने एक तीखे मोड़ पर नियंत्रण खो दिया। टैम्पो ट्रैवलर के यात्रियों मोहम्मद अशरफ (35), मंगता वानी (51), अत्ता मोहम्मद (33), तालिब हुसैन (35) और रफीका बेगम (60) को डोडा के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। इस दुर्घटना में मोहम्मद रफी बशीर, हकीम अब्दुल कासिम, मोहम्मद कासिम गुलाम मोहम्मद, अब्दुल रशीद, मुजी उर रहमान, साहिल फारूक, साइमा बानो, शमीमा बानो, आकिब हुसैन, अब्दुल कयूम, शकूर दीन, उज्मा, कुलसमा समेत कई अन्य घायल हुए। इनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई गई है। गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति व पांच वर्षीय उजमा जान को विशेष उपचार के लिए जम्मू रेफर कर दिया गया है।

डोडा के सीएमओ डॉ. ओम कुमार ने बताया कि कुछ लोगों की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है, इसलिए मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। वाहन के खाई में गिरते ही स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंच गए और बाद में पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के जवान भी उनके साथ हो लिए।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने डोडा जिले के पोंडा इलाके में सड़क हादसे में हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सभी प्रभावितों को तत्काल चिकित्सा सहायता और सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने दुर्घटना की सूचना मिलने पर डोडा के उपायुक्त हरविंदर सिंह से बात की। उन्होंने कहा कि घायलों को हर संभव मदद और चिकित्सा सहायता प्रदान की जा रही है। उपायुक्त व्यक्तिगत रूप से पूरी प्रक्रिया की निगरानी कर रहे हैं और नियमित अपडेट दे रहे हैं।

शिमला में नेपाली युवक का कत्ल कर लाश को रास्ते में फेंका

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

शिमला ज़िले के ठियोग थाना क्षेत्र में एक अज्ञात नेपाली व्यक्ति की हत्या का मामला सामने आया है। आरोपी शव को रास्ते में फेंककर फरार हो गए। पुलिस ने इस मामले में हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार यह घटना सोमवार शाम तब सामने आई, जब गांव कलिंद के निवासी अंकुश शर्मा के पास उनके दो नेपाली मजदूर पहुंचे। मजदूरों ने अंकुश शर्मा को बताया कि वे गाँव से महोरी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान महोरी के रास्ते में उन्हें एक नेपाली युवक मृत अवस्था में पड़ा मिला। मृत व्यक्ति की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

इस सूचना को सुनते ही अंकुश शर्मा ने तुरंत पंचायत प्रधान ग्राम पंचायत कलिंद को घटना की जानकारी दी। प्रधान ने भी बिना देर किए थियोग पुलिस को सूचना दी कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने एक अज्ञात नेपाली व्यक्ति की हत्या कर दी है और शव को मेहरी के रास्ते में फेंककर फरार हो गया है।

ठियोग के डीएसपी सिद्धार्थ शर्मा ने मामले की पुष्टि करते हुए मंगलवार को बताया कि पुलिस थाना ठियोग में इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 बीएनएस के तहत दर्ज कर ली गई है। डीएसपी ने कहा कि प्रारंभिक जांच के अनुसार शव की स्थिति देखकर प्रथम दृष्टया लगता है कि मृतक की हत्या की गई है।

पुलिस थाना ठियोग के एसएचओ की अगुवाई में पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और सबूत जुटाने शुरू कर दिए हैं। पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। शव की पहचान के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

डीएसपी सिद्धार्थ शर्मा ने बताया कि इस मामले में हर पहलू से गहन जांच की जा रही है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है ताकि यह पता चल सके कि मृतक व्यक्ति घटनास्थल तक कैसे पहुंचा और उस पर किसने हमला किया।

हिमाचल के पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह करेंगे अंगदान, ली शपथ

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश के ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने अंगदान का संकल्प लेकर समाज के सामने एक प्रेरणादायी उदाहरण पेश किया है। मंगलवार को अंगदान शपथ पत्र भरते हुए मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने कहा कि जीवन के बाद भी अगर हमारे अंग किसी जरूरतमंद के काम आएं, तो यह सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे भी इस मुहिम में आगे आएं और अंगदान का संकल्प लें, ताकि किसी जरूरतमंद मरीज की जिंदगी बचाई जा सके।

मंत्री की इस पहल के साथ ही स्टेट ऑर्गन एंड टिशू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (सोटो) हिमाचल प्रदेश द्वारा विशेष थीम पर ह्यअंगदान-जीवन संजीवनीह्न अभियान की शुरूआत की गई है। इस अभियान के तहत प्रदेश की पंचायतों में लोगों को मरने के बाद अंगदान के महत्व के बारे में जागरूक किया जाएगा। साथ ही हेल्थ केंद्रों, स्कूलों, कॉलेजों और अन्य शिक्षण संस्थानों में छात्र-छात्राओं को भी अंगदान की उपयोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

अभियान के दौरान पेंटिंग, स्लोगन, कविता, क्विज प्रतियोगिताएं, नुक्कड़ नाटक और स्किट जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से भी संदेश फैलाया जाएगा कि ह्यअंगदान महादानह्न है। सोटो के नोडल अधिकारी एवं सर्जरी विभाग के अध्यक्ष डॉ. पुनीत महाजन ने बताया कि हिमाचल प्रदेश में नेशनल ऑर्गन ट्रांसप्लांट प्रोग्राम के तहत पिछले चार वर्षों से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान करीब 3,000 लोगों ने अंगदान का संकल्प पत्र भरा है, जबकि प्रदेशभर में 200 से ज्यादा कैंप आयोजित कर ब्रेन डेड मरीजों के परिजनों को अंगदान के लिए प्रोत्साहित किया गया है।

उन्होंने बताया कि इस बार अभियान का फोकस केवल शहरों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ग्रामीण इलाकों तक भी पहुंचकर अधिक से अधिक लोगों को अंगदान और नेत्रदान की जानकारी दी जाएगी।

डॉ. महाजन ने कहा कि कोई भी व्यक्ति घर बैठे भी अंगदान का संकल्प ले सकता है।

संक्षिप्त-समाचार

इंदौरा में दो नशा तस्कर चिट्टे के साथ गिरफ्तार

धर्मशाला। पुलिस जिला नूरपुर द्वारा नशे के खिलाफ चलाये गये अभियान के अन्तर्गत दो युवकों से 13.01 ग्राम चिट्टा बरामद किया है। पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर आगामी कार्रवाई की है। नशा माफिया के खिलाफ यह कार्रवाई पुलिस थाना इंदौरा के तहत मलाहड़ी कांगड़ में नाकाबंदी के दौरान की है। पुलिस ने इस दौरान सफेद रंग की ऑल्टो गाड़ी नम्बर एचआर 27 जी-1179 में सवार विकास कुमार पुत्र सरदारी लाल, उम्र 30 वर्ष व विशाल कुमार पुत्र यशपाल सिंह, उम्र 28 वर्ष दोनों गांव व डाकखाना भदरोया, तहसील इंदौरा, जिला कांगड़ा के कब्जे से 13.01 ग्राम हीरोईन/चिटटा बरामद किया है। दोनों आरोपितों के खिलाफ इंदौरा थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उपरोक्त आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसपी नूरपुर अशोक रत्न ने बताया कि उपरोक्त मामले में नियमानुसार आगामी कार्यवाही अमल में लाई जा रही है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपी कुख्यात नशा तस्कर हैं जिन पर अन्य कई मामले भी पंजीकृत हैं। आरोपी विकास के खिलाफ एनडीपीएस और अन्य 10 मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं जबकि विशाल के खिलाफ तीन मामले दर्ज हैं।

डोडा में एक और सड़क दुर्घटना, दो लोग घायल

डोडा। डोडा जिले के पोंडा क्षेत्र में आज हुए एक दुखद सड़क हादसे के कुछ ही देर बाद डोडा जिले के भगवाह से एक और सड़क दुर्घटना की खबर आई। सूत्रों के अनुसार पंजीकरण संख्या जेके 20 ए 4590 वाली एक बोलेरो गाड़ी भगवाह तहसील कार्यालय की ओर जा रही थी तभी कार्यालय पहुँचने से कुछ ही दूरी पर चालक ने गाड़ी पर से नियंत्रण खो दिया। गाड़ी सड़क से फिसलकर लगभग 15-20 फीट नीचे गिर गई। परिणामस्वरूप दो लोग घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए डोडा के सरकारी मेडिकल कॉलेज एसोसिएटेड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। घायलों की पहचान आशा देवी (48 वर्ष), पत्नी मूल सिंह, निवासी कास्तीगढ़, जिला डोडा, मूल सिंह (56 वर्ष), पुत्र नसीब सिंह, निवासी सारस कास्तीगढ़, तहसील कास्तीगढ़, जिला डोडा के रूप में हुई है ' पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डोडा के पोंडा में दुखद सड़क हादसे में हुई मौतों पर उपराज्यपाल ने किया शोक व्यक्त

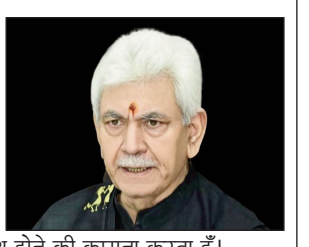

जम्मू। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने डोडा जिले के पोंडा इलाके में हुए एक दुखद सड़क हादसे में हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया है। अपने शोक संदेश में उपराज्यपाल ने कहा कि डोडा में हुए दुखद सड़क हादसे में हुई मौतों से दुखी हूँ। इस दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ।

अमरनाथ यात्रा: 6,388 श्रद्धालुओं का 14वां जत्था कश्मीर रवाना

जम्मू। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 6,388 तीर्थयात्रियों का 14वां जत्था कश्मीर घाटी के लिए रवाना हुआ। तीर्थयात्री आज सुबह 248 वाहनों के काफिले में आधार शिविर से रवाना हुए। इस जत्थे में 4886 पुरुष, 1308 महिलाएँ, 15 बच्चे, 158 साधु और 21 साध्वियाँ शामिल थीं। कुल 6,388 तीर्थयात्रियों में से 2,501 तीर्थयात्री आज सुबह बालटाल आधार शिविर और 3,887 पहलगाम आधार शिविर के लिए रवाना हुए जहाँ से वह पवित्र गुफा की अपनी आगे की यात्रा के लिए रवाना होंगे।

आपदा से जलशक्ति विभाग को 500 करोड़ का नुकसान, राहत कार्यों में तेजी: डिप्टी सीएम

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में हालिया प्राकृतिक आपदा से जल शक्ति विभाग को करीब 500 करोड़ रुपये का भारी नुकसान हुआ है, जिसमें सबसे ज्यादा क्षति सिराज विधानसभा क्षेत्र में हुई है। डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री ने मंगलवार को शिमला में बताया कि अकेले सिराज क्षेत्र में आपदा से लगभग 200 करोड़ रुपये की क्षति हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने राहत एवं पुनर्वास कार्यों को तेज कर दिया है और पानी की योजनाओं को बहाल करने का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है, लेकिन केंद्र सरकार से भी तुरंत मदद की जरूरत है, ताकि आपदा प्रभावित लोगों को वास्तविक राहत मिल सके।

डिप्टी सीएम ने स्पष्ट किया कि सिराज विधानसभा क्षेत्र नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर का क्षेत्र है और उनका दर्द भी उचित है, लेकिन कांग्रेस पार्टी आपदा के समय राजनीति नहीं करती। उन्होंने कहा कि सरकार नुकसान की परवाह किए बिना हर प्रभावित क्षेत्र में मदद पहुंचा रही है, चाहे वह किसी भी पार्टी के विधायक का क्षेत्र क्यों न हो।

मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि हमारे लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता प्रभावित लोगों तक राहत पहुंचाना और बुनियादी ढांचे को जल्द दुरुस्त करना है। सिराज जैसे दुर्गम क्षेत्रों में भी काम तेजी से किया जा रहा है।

इसी दौरान प्रदेश कांग्रेस संगठन के गठन को लेकर पूछे गए सवाल पर डिप्टी सीएम ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष किसे बनाना है, यह फैसला पार्टी हाईकमान का अधिकार है, लेकिन संगठन निर्माण में देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि पार्टी जल्द ही मजबूत संगठन खड़ा करेगी, ताकि सरकार और संगठन दोनों मिलकर काम कर सकें।

वहीं, एचआरटीसी चालकों-परिचालकों की वित्तीय देनदारियों पर डिप्टी सीएम ने कहा कि सैलरी और पेंशन समय पर दी जा रही हैं, लेकिन कुछ पुरानी देनदारियां लंबित हैं जिन्हें जल्द ही एचआरटीसी प्रबंधन के साथ बैठक कर हल कर लिया जाएगा।

डिप्टी सीएम ने कहा कि सरकार हर स्तर पर आपदा से हुए नुकसान की भरपाई और पुनर्वास के काम को पूरी गंभीरता से ले रही है ताकि प्रदेश जल्द से जल्द सामान्य हालात में लौट सके। उन्होंने केंद्र सरकार से भी प्रदेश की इस कठिन घड़ी में उदारतापूर्वक मदद का आह्वान किया।

अवैध सेब के बगीचों को काटने की बजाय सरकार ले अपने कब्जे में : शांता कुमार

एजेंसी (हि.स.)
पालमपुर

पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री शांता कुमार ने हिमाचल प्रदेश सरकार से अपील की है कि वह वन भूमि पर लगे अवैध सेब बगीचों को नष्ट करने के स्थान पर उन्हें अपने कब्जे में लेकर वन विभाग के माध्यम से संचालित करें। उन्होंने मुख्यमंत्री से विशेष आग्रह किया कि इस मानवीय और व्यावहारिक सुझाव पर गंभीरता से विचार किया जाए।

शांता कुमार ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि इन बगीचों में लगे सेब के वृक्ष हरे-भरे और उत्पादनशील हैं, जिन्हें लगाने में वर्षों की मेहनत लगी है। उन्होंने सुझाव दिया कि वन विभाग इन बगीचों को अपने नियंत्रण में लेकर उनकी देखरेख करे जिससे सरकार को आय का एक स्थायी स्रोत भी प्राप्त हो और वृक्षों की कटाई से हो रहा पर्यावरण व आर्थिक नुकसान भी रुके। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर दशकों पहले अवैध कब्जे हुए थे, जिनमें शामिल लोग और उन्हें सहयोग देने वाले सरकारी कर्मचारी अब इस दुनिया में नहीं हैं। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा कि 85 वर्षीय एक वृद्धा को उसके पुराने मकान से बाहर निकालकर उसमें ताला लगा दिया गया, जो न सिर्फ अमानवीय है बल्कि सरकार की संवेदनशीलता पर भी प्रश्न खड़ा करता है। शांता कुमार ने कहा, ऐसे मामलों में सरकार को मानवीय दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। उस बुजुर्ग महिला का एकमात्र दोष यह है कि वह किसी पुराने कब्जाधारी की मां या दादी है। सरकार को चाहिए कि या तो वह मकान न ले या महिला के रहने की वैकल्पिक व्यवस्था करे। अवैध कब्जे के पीछे केवल आम लोग नहीं बल्कि कुछ सरकारी अधिकारी और कर्मचारी भी दोषी हैं, जिन्होंने चंद पैसों में नियमों की अनदेखी की।

मौसम की मार

एक हजार से ज्यादा मकान टूटे, अरबों की संपत्ति राख

हिमाचल प्रदेश में मानसून का कहर, 25 दिन में 105 मौतें

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में इस बार मानसून कहर बनकर टूटा है। बादलों की बेरहम बरसात से जहां जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है, वहीं बादल फटने, भूस्खलन और बाढ़ से अब तक प्रदेश में भारी तबाही मच चुकी है। हालात इतने गंभीर हैं कि सरकार को करीब 786 करोड़ रुपये की संपत्ति का नुकसान आंका गया है। राज्य में मानसून ने 20 जून को दस्तक दी थी। इस दौरान पिछले 25 दिनों में प्रदेश में अब तक वर्षा जनित हादसों में 105 लोगों की मौत हो चुकी है, 35 लोग लापता हैं और 184 लोग घायल हुए हैं।

मौतों के आंकड़ों पर नजर डालें तो मंडी जिले में सबसे अधिक 21 लोगों की मौत हुई है। कांगड़ा में 17, कुल्लू में 11, चंबा में 9, जबकि हमीरपुर, बिलासपुर और ऊना जिलों में 8-8 लोगों की मौत दर्ज की गई है। इस मानसून सीजन में 1046 मकान आंशिक या पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं, 188 दुकानें और 798 गौशालाएं तबाह हो चुकी हैं। अकेले मंडी जिले में 856 मकान, 166 दुकानें और 644 गौशालाएं प्रभावित हुई हैं। 30 जून की रात मंडी में बादल फटने की 12 घटनाओं ने जिले को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया।

आपदाओं ने लोगों के आशियाने और जिंदगी ही नहीं छीनी, बल्कि कृषि और पशुपालन को भी गहरा नुकसान पहुंचाया है। अब तक 21,500 पोल्ट्री पक्षियों और 954 अन्य पशुओं की मौत हो चुकी है। इस मानसून में अब तक बादल फटने की 22, फ्लैश फ्लड की 31 और भूस्खलन की 18 घटनाएं दर्ज की गई हैं। मंडी के अलावा कांगड़ा और कुल्लू में बाढ़ ने भी व्यापक तबाही मचाई।

प्रदेश सरकार के मुताबिक मानसून से हुए नुकसान में सबसे ज्यादा क्षति जल शक्ति विभाग को हुई है, जिसे करीब 414 करोड़ रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है। लोक निर्माण विभाग को भी लगभग 345 करोड़ रुपये की क्षति पहुंची है। आने वाले दिनों में बारिश का सिलसिला जारी रहने की चेतावनी ने सरकार और आम लोगों की चिंता और बढ़ा दी है। प्रशासन लगातार हालात पर नजर रखे हुए है, लेकिन पहाड़ी इलाकों में सड़कें बहने और भूस्खलन की घटनाओं से राहत कार्यों में भी बाधा आ रही है।

मौसम विभाग ने आगामी 21 जुलाई तक राज्य के कई इलाकों में भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। बीते 24 घंटों में शिमला जिले के जुब्बड़हट्टी में सर्वाधिक 56 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा काहू में 39 मिमी, बिलासपुर व सलापड़ में 30-30 मिमी, कसौली में 28 मिमी, धर्मपुर में 24 मिमी और कुफरी में 23 मिमी वर्षा हुई है। राज्य के अधिकांश हिस्सों में बीती रात भी बारिश होती रही और मंगलवार सुबह तक मौसम बिगड़ा हुआ था।

बारिश और भूस्खलन से हिमाचल में यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार मंगलवार सुबह तक प्रदेश में 220 सड़कें बंद पड़ी हैं। 67 बिजली ट्रांसफार्मर और 153 पेयजल योजनाएं ठप हो चुकी हैं। सबसे ज्यादा असर मंडी जिले में पड़ा है, जहां अकेले 160 सड़कें बंद, 61 ट्रांसफार्मर ठप और 133 पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं। कांगड़ा में भी 18 पेयजल योजनाएं काम नहीं कर पा रही हैं।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

नायब सैनी के आदेश पर बाबैन मंडल के गांव सुनारिया, संघौर और घिसरपड़ी में 51 लाख रुपए के विकास कार्य हुए पूरे: सुमन सैनी

मार्केटिंग बोर्ड 6.69 करोड़ से बाबैन अनाज मंडी के अधीन आने वाली सड़कों, डिस्पोजल और कंटीन की मरम्मत का कर रहा कार्य

अनिल गोयल
लाडवा

हरियाणा राज्य बाल विकास परिषद की उपाध्यक्ष सुमन सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेश अनुसार बाबैन मंडल के गांव सुनारिया, संघौर और घिसरपड़ी में 51 लाख रुपए के काम पंचायती राज विभाग द्वारा पूरे कर लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि बाबैन मंडल में करीब 12 करोड़ 70 लाख रुपए के विकास कार्यों पर काम चल रहा है, जब यह कार्य पूरे होने पर लोगों को विकास दिखना भी शुरू होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का लाडवा हलके पर विशेष ध्यान है। अधिकारियों को तेज गति से विकास कार्य करवाने के आदेश भी दिए गए हैं।

हरियाणा राज्य बाल विकास परिषद की उपाध्यक्ष सुमन सैनी मंगलवार को बाबैन अनाज मंडी रेस्ट हाउस में आयोजित खुले दरबार में लोगों की समस्याएं सुनने पहुंची थी। बाबैन मंडल अध्यक्ष विकास शर्मा ने गुलदस्ते के साथ स्वागत किया। हरियाणा राज्य बाल विकास परिषद की उपाध्यक्ष सुमन सैनी ने खुले दरबार में 100 से ज्यादा लोगों की शिकायत और समस्याओं को सुना गया।

हरियाणा राज्य बाल विकास परिषद की उपाध्यक्ष सुमन सैनी ने कहा कि बाबैन मंडल के गांव घिसरपड़ी में 27 लाख 70 हजार रुपए से रास्ते का निर्माण करवाया गया। गांव सुनारिया में 12 लाख रुपए से फिरनी बनवाई गई और गांव संघौर में 12 लाख रुपए से चौपाल का निर्माण करवाया गया। उन्होंने कहा कि बाबैन मंडल के विभिन्न गांव में 55 लाख रुपए के विकास कार्य करवाए जा रहे हैं, इनमें गली, नाली, पीने का पानी, शौचालय, पीवीसी पाइपलाइन सहित अन्य विकास कार्य शामिल है। हरियाणा राज्य बाल विकास परिषद की उपाध्यक्ष सुमन सैनी ने कहा कि मार्केटिंग बोर्ड द्वारा बाबैन अनाज मंडी के अधीन आने वाली सभी सड़कों, डिस्पोजल और कंटीन का निर्माण कार्य चल रहा है मार्केटिंग बोर्ड द्वारा करवाए जाने वाले इन मरम्मत के कार्यों पर लगभग 6 करोड़ 69 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। इसी तरह उत्तरी हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा 2 करोड़ 51 लाख रुपए से बिजली सप्लाई के कार्यों को किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पब्लिक हेल्थ विभाग द्वारा बाबैन क्षेत्र में पीने के पानी की व्यवस्था पाइपलाइन अन्य निर्माण के लिए 2 करोड़ 85 लाख रुपए के विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। सुमन सैनी ने कहा कि हलका के लोगों ने आज अपनी समस्याओं को उनके सामने रखा है। इस शिकायतों पर मुख्यमंत्री कार्यालय से नंबर लगाकर संबंधित अधिकारी को समाधान के लिए भेजा जाएगा। अधिकारियों द्वारा इन शिकायतों का समयबद्ध समाधान करना होगा। इन शिकायतों पर कार्रवाई की समीक्षा स्वयं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी करेंगे।

इस मौके पर मुख्यमंत्री के मीडिया कोऑर्डिनेटर तुषार सैनी, बाबैन मंडल अध्यक्ष विकास शर्मा, मंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता, मंडल अध्यक्ष अमरेंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र सिंह, भाजपा नेता नायब सिंह सैनी पाठक भाजरा, पूर्व मंडल अध्यक्ष जसविंदर जस्सी, सरपंच संजीव सिंगला, ब्लॉक समिति लाडवा पूर्व अध्यक्ष राहुल शर्मा, अनिल टाटकी, भीम बेरथला, पूनम सैनी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

अधिकारी आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करें: रणबीर गंगवा

- 42 कर्मचारियों एवं अधिकारियों को चार्जशीट करने पर बोले: किसी भी कीमत पर भ्रष्टाचार सहन नहीं किया जाएगा
- महाराजा गुरु दक्ष प्रजापति जयंती के राज्यस्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री ने दी अनेक सौगातें

संवाददाता
चंडीगढ़

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोकनिर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रदेश सरकार जीरो टोलरेंस की नीति पर काम कर रही है, किसी भी कीमत पर भ्रष्टाचार सहन नहीं किया जाएगा। श्री गंगवा मंगलवार को सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में पत्रकारों से रुबरू हुए थे, इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारा प्राथमिक उद्देश्य यही है कि जनता को क्वालिटी के साथ मूलभूत सुविधाएं मिलें। रोहतक में जनस्वास्थ्य विभाग से जुड़े जिन 42 कर्मचारियों एवं अधिकारियों को चार्जशीट किया गया है, वहां सिविल कार्यों को करवाने में अनियमितताएं बरती गयी थीं। दोनों विभागों पर उनकी नजर है, अधिकारी आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर तय समय पर हल करें, इस बारे भी निर्देश दिए जा चुके हैं। हरियाणा में बारिश के पानी की निकासी के व्यवस्था के बारे में पूछे गए सवाल पर बोलते हुए कैबिनेट मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि इसे लेकर पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, अतिरिक्त पंप सैट भी लगाए गए हैं। साथ ही विभाग के अधिकारियों को कहा गया है कि इस संबंध में आमजन की शिकायत मिलने पर तुरंत कार्रवाई अमल में लाई जाए।

कैबिनेट मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि पीडब्ल्यूडी विभाग के अंतर्गत 30664 किलोमीटर की सड़कें आती हैं। 15 जून तक का टारगेट लेकर प्रदेश की सभी सड़कों के गड्ढे भरे गए हैं। इनमें 14 हजार किलोमीटर की सड़कें डीएलपी पीरियड के अंदर थी, उनका पेचवर्क इत्यादि करवाया गया है। इस मामले में भी जिस एजेंसी की लापरवाही सामने आई, उनके खिलाफ एक्शन लेते हुए ब्लैकलिस्ट किया गया है। इसके अलावा 5 हजार किलोमीटर में कुछ सड़कें ऐसी भी थी, जो ज्यादा खराब थी। उन पर पेचवर्क नहीं हो सकता था। ऐसे में उन्हें नया बनाने के लिए आगामी प्रक्रिया की जा रही है। भिवानी में हाल ही में मनाये गए महाराजा गुरु दक्ष प्रजापति जयंती के राज्यस्तरीय समारोह के बारे में कैबिनेट मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रजापति समाज के लिए बहुत घोषणाएं की हैं। जल्द ही हरियाणा मिट्टी कला बोर्ड के चेयरमैन की नियुक्ति हो होगी ही साथ ही रोजगार के लिए भी 15 दिनों में 2 हजार गांवों में पंचायती जमीन खसरा नंबर सहित उपलब्ध करवाने की घोषणा भी की गई है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन ऐतिहासिक रहा, पूरे हरियाणा की इसमें सहभागिता नजर आई। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोकनिर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रजापति समाज मेहनतकश समाज है, यह मोस्ट बैकवर्ड के अंदर आता है। पूर्व की सरकारों के अंदर इस समाज के साथ बहुत अन्याय हुआ है, लेकिन बीजेपी सरकार ने न सिर्फ इस समाज को सम्मान दिया, साथ ही हर वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ने का काम किया है।

सन्त-महात्माओं की धरती है भारत: डॉ. अरविंद शर्मा

- सहकारिता एवं पर्यटन मंत्री ने लिया किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर से आशीर्वाद

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के सहकारिता, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि भारत सन्त-महापुरुषों की धरती है, जो निरन्तर धर्म ध्वजा मजबूती के साथ पकड़ कर समाज व राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं। आज अभिभावकों को चाहिए कि वो युवाओं की धर्म ज्ञान में भागीदारी बढ़ाएं, ताकि वो प्रतिस्पर्धा भरे इस दौर में अपने दायित्व को मजबूती से निभाएं।

मंगलवार को डॉ. अरविंद शर्मा पंचकूला में किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर गुरु मां सोनाक्षी नंद गिरी जी महाराज के पट्टाभिषेक कार्यक्रम में पहुंचे और उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि भारतवर्ष संतों की और ऋषियों की भूमि है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और हरियाणा सरकार द्वारा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक उत्थान के लिए अनेक कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस शुभ अवसर पर कार्यक्रम में सम्मिलित होना मेरा सौभाग्य है। उन्होंने सभी धर्म प्रेमियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भारत का मूल आधार ही आध्यात्मिक है। डॉ. अरविंद शर्मा ने इस अवसर पर महामंडलेश्वर गुरु मां सोनाक्षी नंदगिरी जी महाराज से देश और प्रदेश की उन्नति के लिए आशीर्वाद मांगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव श्री तरुण भंडारी, पंचकूला के महापौर श्री कुलभूषण गोयल, भाजपा की वरिष्ठ नेत्री श्रीमती बंतो कटारिया सहित विभिन्न गणमान्य लोग और काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

करनाल और सोनीपत को स्वच्छता सर्वेक्षण में राष्ट्रीय सम्मान

- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल 17 जुलाई को दिल्ली में ग्रहण करेंगे पुरस्कार
- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा के अन्य शहरों में भी मजबूत होगा स्वच्छता अभियान: विपुल गोयल
- 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान में हरियाणा दर्ज कराएगा अपनी मजबूत उपस्थिति'

संवाददाता
चंडीगढ़

कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में, स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में करनाल और सोनीपत को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जा रहा है। 17 जुलाई को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित होने वाले पुरस्कार समारोह में महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू तथा केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल विभिन्न श्रेणियों के तहत पुरस्कार वितरित करेंगे। इस कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी और शहरी स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए सम्मान प्राप्त करेंगे।

कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने बताया कि करनाल को देश के शीर्ष 15 स्वच्छ शहरों में शामिल होने का गौरव प्राप्त हुआ है जो प्रदेश के लिए के गौरव का विषय है। इसके अलावा सोनीपत को स्वच्छता के लिए मिनिस्टीरियल अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा आरंभ किए गए स्वच्छ भारत मिशन को धरातल पर उतारने के लिए हरियाणा सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता और नवाचारपूर्ण प्रयासों का परिणाम है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल के नेतृत्व में राज्य सरकार ने जागरूकता, तकनीकी नवाचार और जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से स्वच्छता अभियान को सशक्त किया है। हरियाणा सरकार द्वारा 2025झ26 के बजट में सभी नगरपालिकाओं और परिषदों को अत्याधुनिक मशीनरी जैसे वैक्यूम सकर, ट्री ट्रिमर, श्रेडिंग मशीन, स्वीपिंग मशीन, पैचवर्क मशीन, वॉशिंग/स्प्रिंकलिंग यूनिट आदि मुहैया कराने की योजना प्रस्तुत की गई थी। इन उपकरणों के उपयोग और क्रियान्वयन के प्रभावी प्रयासों ने राज्य की स्वच्छता स्थिति को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया है।

उन्होंने बताया कि बीते 10 वर्षों में, हरियाणा ने 75 पुराने डंपिंग ग्राउंड्स से 101 लाख मीट्रिक टन कचरे में से लगभग 69 लाख मीट्रिक टन कचरे का वैज्ञानिक निपटान कर 109 एकड़ भूमि को पुनः प्राप्त किया है। इस भूमि का उपयोग हरित क्षेत्रों, पार्कों और सामुदायिक सुविधाओं के विकास हेतु किया जा रहा है। आपको बता दें कि हाल ही में कैबिनेट मंत्री श्री विपुल गोयल ने वाराणसी स्थित एनटीपीसी के हरित कोयला संयंत्र का दौरा कर हरियाणा में ऐसे संयंत्रों की स्थापना को गति दी है। फरीदाबाद और गुरुग्राम जैसे शहरों से प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले ठोस अपशिष्ट से 400झ500 टन हरित कोयले का उत्पादन किया जा सकेगा, जिससे पर्यावरणीय संरक्षण, ऊर्जा नवाचार और कचरा प्रबंधन में क्रांति लाई जा सकेगी।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि हमें केवल गंदगी से मुक्ति नहीं प्राप्त करनी है बल्कि एक स्वच्छ राज्य बनना है। तथा यह राष्ट्रीय मान्यता हरियाणा के विकास और स्वच्छता की दिशा में बढ़ते कदमों की पुष्टि करती है।

संक्षिप्त-समाचार

तीन महाविद्यालयों का नामकरण शहीदों और आजाद हिन्द फौज के स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर होगा

चंडीगढ़। प्रदेश सरकार ने शहीदों और आजाद हिन्द फौज के स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान में प्रदेश के कॉलेजों का नामकरण करने के निर्णय के तहत आज मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने तीन कालेजों के नामकरण को प्रशासनिक मंजूरी दी है। हरियाणा के शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने बताया कि प्रदेश सरकार ने निर्णय लिया है कि राजकीय महिला महाविद्यालय बवानी खेड़ा का नाम आजाद हिन्द फौज के स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय ठाकुर श्री शम्भु सिंह के नाम पर किया जाएगा। इसी प्रकार, राजकीय महाविद्यालय खरक (भिवानी) का नाम शहीद गजेन्द्र सिंह के नाम पर किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि गत 7 मार्च, 2018 को श्री गजेन्द्र सिंह, सहायक कमांडेंट, 134 बटालियन सीमा सुरक्षा बल में पदस्थ, कांकेर जिला (छत्तीसगढ़) के नाताला आरक्षित वन क्षेत्र में मसपुर ग्राम के निकट नक्सलियों से लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त हुए थे। उनकी वीरता के लिए 26 जनवरी, 2021 को उन्हें वीरता मेडल प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त हरियाणा सरकार द्वारा राजकीय महाविद्यालय सांपला (रोहतक) का नाम शहीद राय सिंह के नाम पर रखने की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। शहीद राय सिंह 20 नवम्बर 2016 को भारत पाकिस्तान नियंत्रण रेखा पर जम्मू (राजौरी) में देश की रक्षा करते हुए शहीद हो गए थे। शिक्षा मंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार का यह कदम शहीदों व स्वतंत्रता सेनानियों को विशेष सम्मान देने वाला है।

नारनौल: सांसद ने हकेंवि में किया वाटर रिचार्ज प्रोजेक्ट का उद्घाटन

नारनौल। भिवानी-महेंद्रगढ़ के सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में दोहान नदी क्षेत्र में वाटर रिचार्ज प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया। इस मौके पर महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव तथा केंद्रीय विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार भी मौजूद रहे। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में सिंचाई विभाग ने तीन डैम तैयार किए हैं, जिनका मंगलवार को विधिवत उद्घाटन हुआ। इस प्रोजेक्ट पर एक करोड़ 21 लाख रुपये खर्च हुए हैं। साथ ही 1200 मीटर क्यूब वैलन बनाई गई है। करीब डेढ़ किलोमीटर में 600 एमएम की पाइपलाइन डाली गई है। अब बारिश में विश्वविद्यालय के वाटर स्टोरेज टैंकों को भरा जा रहा है। सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही हरियाणा सरकार पानी को लेकर बहुत गंभीर है। सरकार ने दक्षिणी हरियाणा की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए जल संरक्षण के लिए ये अहम प्रोजेक्ट दिए हैं। इससे जल स्तर में सुधार होगा। महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि हरियाणा सरकार प्रत्येक क्षेत्र में समानुपातिक विकास करवाने को प्रतिबद्ध है। सिंचाई विभाग के एसई राजेश खत्री ने सभी प्रोजेक्ट के बारे में मुख्य अतिथि को जानकारी दी। इस मौके पर महेंद्रगढ़ से एसडीएम अनिल कुमार यादव, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर सुनील कुमार, एक्सईएन प्रमोद शर्मा, एक्सईएन आशुतोष यादव के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

कांवड़ियों के लिए पुलिस ने जारी की गाइडलाइन

जींद। सावन माह में शिवभक्त कांवड़ लेकर हरिद्वार की तरफ रवाना होना शुरु हो गए हैं। यात्रा को लेकर प्रशासन सतर्क हो गया है। कांवड़ यात्रा के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने, कांवड़ियों की सुरक्षा एवं आमजन के सुरक्षित आवागमन के लिए सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने, शिविरों के लिए उचित स्थान निर्धारित करने जैसे कार्यों की तैयारियों को लेकर संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए हैं। एसपी कुलदीप सिंह ने कहा कि पैदल कांवड़ यात्री यात्रा के लिए कांवड़ पटरी (नहर पटरी) का ही प्रयोग करें। कांवड़ यात्री अपना पहचान पत्र, डीएल, आधार कार्ड अवश्य साथ रखें। यात्री अपना वाहन निर्धारित पार्किंग में ही खड़ा करें। जेब कतरों, उठाईगिरों एवं जहरखुरानी गिरोह से सावधान रहें। वाहन में बैठे कांवड़ यात्रियों की सूची एवं यात्रा का विवरण अपने वाहन में अवश्य लगाएं।

ऐतिहासिक गांव अनंगपुर में तोड़फोड़ को लेकर सांसद सैलजा ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

संवाददाता
चंडीगढ़

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने फरीदाबाद के ऐतिहासिक गांव अनंगपुर में की गई तोड़फोड़ की कार्रवाई पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखकर कार्रवाई को रूकवाते हुए इसकी निष्पक्ष जांच के लिए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन करने और प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत एवं पुनर्वास प्रदान करने की मांग की है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि हरियाणा के फरीदाबाद जिले के ऐतिहासिक अनंगपुर गांव में प्रशासन द्वारा तोड़फोड़ की जा रही है जिसमें सांसद ने तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। कुमारी सैलजा ने पत्र में लिखा है कि अनंगपुर गांव ऐतिहासिक, सांस्कृतिक व सामाजिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसका संबंध आठवीं शताब्दी के प्रसिद्ध शासक राजा अनंगपाल से जुड़ा हुआ है। यह क्षेत्र हरियाणा की समृद्ध ऐतिहासिक विरासत का प्रतीक है, जहां आज भी अनेक पुरातात्विक अवशेष मौजूद हैं। कुमारी सैलजा ने इस बात पर गहरी नाराजगी व्यक्त की कि प्रशासन द्वारा चल रही तोड़फोड़ की कार्रवाई से वहां निवास कर रहे सैकड़ों गरीब परिवार, जिनमें महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे शामिल हैं, बेहद संकट में हैं। इन्हें बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के उजाड़ा जाना न केवल अमानवीय है, बल्कि संवैधानिक और मानवीय मूल्यों के भी खिलाफ है।

कुमारी सैलजा ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में मांगें की हैं कि अनंगपुर गांव में तोड़फोड़ की कार्रवाई को तत्काल प्रभाव से रोका जाए, इस मामले की निष्पक्ष जांच हेतु एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया जाए और प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत एवं पुनर्वास प्रदान किया जाए। सांसद कुमारी सैलजा ने विश्वास व्यक्त किया है कि प्रधानमंत्री इस संवेदनशील मामले में तुरंत हस्तक्षेप कर न्यायसंगत समाधान सुनिश्चित करेंगे।

महेंद्रगढ़ जिला के किसानों को मिली 1400 लाख रुपए के सात प्रोजेक्टों की सौगातें : श्रुति चौधरी

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा की सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी ने दक्षिण हरियाणा के किसानों के लिए एक साथ कई सौगातें दी हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी से मिलकर महेंद्रगढ़ जिला के लिए करीब 1400 लाख रुपए के सात प्रोजेक्ट मंजूर करवाए हैं, जिनका आज शिलान्यास भी कर दिया गया है। इससे लगभग एक दर्जन से अधिक गांवों में 3250 एकड़ से ज्यादा भूमि में जल संरक्षण और तालाबों को रीचार्ज करने में मदद मिलेगी।

सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी ने बताया कि महेंद्रगढ़ जिला के गांव पथरवा, जवाहरनगर तथा नंगला में जल संरक्षण के लिए प्रोजेक्ट बनाया जायेगा जिसको जड़वा डिस्ट्रीब्यूटरी से जोड़ा जाएगा। इस प्रोजेक्ट पर कुल 460.13 लाख रुपए खर्च होंगे, इससे उक्त तीनों गांवों की 600 एकड़ भूमि को सिंचित किया जा सकेगा।

इसी प्रकार, गांव जड़वा में 258.63 लाख रुपए की लागत से नहरी पानी के स्टोरेज के लिए वॉटर-टैंक का निर्माण किया जाएगा। इसका उपयोग फसलों में फव्वारा से सिंचाई करने, जल संरक्षण और भूमिगत जल के रीचार्ज करने में किया जायेगा। इस प्रोजेक्ट से 450 एकड़ भूमि को लाभ होगा।

महेंद्रगढ़ जिला के ही डालनवास गांव में भी इसी प्रकार का प्रोजेक्ट लगाया जायेगा जिस पर 150.09 लाख रुपए की लागत आएगी। इससे फसलों में फव्वारा से सिंचाई की जा सकेगी, जल संरक्षण होगा और भूमिगत जल को रीचार्ज किया जाएगा।

सिंचाई मंत्री ने जानकारी दी कि माधोगढ़ डिस्ट्रीब्यूटरी से माधोगढ़ घाटी को पानी भेजने के लिए एचडीपीई (हाई डेन्सिटी पॉलीथिन) की पाइपलाइन बिछाई जाएगी। इसके साथ ही पंप हाउस बनाने और अन्य कार्य के साथ ही 3 वर्ष के लिए मरम्मत के काम की भी मंजूरी दी गई है। इस प्रोजेक्ट पर कुल 146.73 लाख रुपए की लागत आएगी और माधोगढ़, डालनवास तथा जाजावास गांव की 650 एकड़ भूमि में जल संरक्षण के साथ भूमिगत जल को रीचार्ज किया जा सकेगा।

हरियाणा में पेड़ कटाई की एनओसी प्रक्रिया होगी सरल

- वन मंत्री राव नरबीर सिंह ने अधिकारियों को दिए निर्देश
- बोले, एनओसी में न हो अनावश्यक देरी, टेंडर प्रक्रिया में हो पारदर्शिता

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के वन मंत्री श्री राव नरबीर सिंह ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सार्वजनिक या निजी कार्यों के लिए पेड़ काटने हेतु एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) जारी करने में अनावश्यक विलंब न किया जाए। उन्होंने कहा कि लोगों द्वारा दिए गए आवेदन पर यदि कोई आपत्ति हो, तो उसे एक बार में ही दर्ज किया जाए ताकि प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे और जनता को बार-बार परेशान न होना पड़े।

श्री राव नरबीर सिंह आज हरियाणा निवास, चंडीगढ़ में वन विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री आनंद मोहन शरण, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं फील्ड के डीएफओ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

वन मंत्री ने टेंडर प्रक्रिया को भी सरल और पारदर्शी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डीएफओ वर्क एलोकेशन में टेंडरों पर अपने एकाधिकार की भावना न रखें। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की खरीद से पहले मंत्री स्तर से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। साथ ही दिल्ली व अन्य राज्यों की टेंडर प्रणाली का अध्ययन करने की बात भी कही, ताकि हरियाणा में भी अच्छी प्रक्रिया लागू की जा सके।

श्री राव नरबीर सिंह ने वन विभाग को निर्देश दिए कि राज्य गठन से अब तक लगाए गए पौधों का विस्तृत ब्यौरा जल्द उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए एक पेड़ मां के नाम अभियान को मूर्त रूप देना वन विभाग की प्राथमिकता होनी चाहिए।

चौकसी

कुरुक्षेत्र-यमुनानगर मार्ग पर कस्बा लाडवा से भारी वाहनों का किया रूट डायवर्ट

कावड़ यात्रा को लेकर पुलिस के पुख्ता प्रबन्ध, मुख्य बिंदुओं पर लगाये गए नाके: पुलिस अधीक्षक

संवाददाता
लाडवा

जिला पुलिस की ओर से हरिद्वार व नीलकंठ इत्यादि धार्मिक स्थानों से कांवड़ लेकर आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल ने जिला कुरुक्षेत्र से गुजरने वाले कावड़ यात्रियों एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा के पुख्ता प्रबन्ध किये हैं। सभी थाना प्रभारियों को कड़ी चौकसी बरतने के निर्देश दिए हैं।

पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल ने बताया कि 11 जुलाई से शुरू हुई कावड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालु अक्सर हरिद्वार व नीलकंठ आदि धार्मिक स्थानों से कावड़ लेकर अपने गंतव्य की तरफ जाना शुरू हो चुका है। ऐसे में पंजाब व राजस्थान के लाखों कांवड़ यात्री जिला कुरुक्षेत्र से होकर गुजरेंगे। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से जिला में चिन्हित मुख्य बिंदुओं पर नाके स्थापित किए गए हैं। जिन सभी मार्गों से कावड़ यात्री गुजरेंगे, उन सभी मार्गों पर पुलिस अधिकारी व पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाने के अलावा मुख्य चौक चौराहों पर बैरिकेडिंग की गई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिला पुलिस की ई-आरवी डायल-112 सेवा व मोटरसाईकल राइडर, पेट्रोलिंग तथा पैदल गश्त पार्टियों कावड़ यात्रियों की सुरक्षा के लिए 24 घंटे तैनात रहेगी। इसके अलावा यातायात थाना प्रभारियों को भी निर्देश जारी किए हैं कि जिला में कांवड़ यात्रा के दौरान किसी प्रकार की यातायात संबंधी बाधा उत्पन्न न होने पाए।

पुलिस अधीक्षक ने पुलिस प्रशासन की ओर ने श्रद्धालुओं अपील करते हुए कहा गया है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें तथा सरकार द्वारा गाइड लाइन की पालना करें। इसके अलावा डीजे या लाउड स्पीकर का प्रयोग न करें तथा सड़क किनारे सुरक्षित दिशा में ही यात्रा करें।

जानकारी देते हुए डीएसपी यातायात रोहतास कुमार ने बताया कि कावड श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कुरुक्षेत्र पुलिस द्वारा भारी वाहनों के लिए रूट डाइवर्ट किया गया है। उन्होंने बताया कि कावड यात्रा को लेकर कुरुक्षेत्र-यमुनानगर मार्ग पर कस्बा लाडवा से भारी वाहनों को डायवर्ट किया गया है। दिनांक 23 जुलाई 2025 तक ट्रैफिक डायवर्ट प्लान इस प्रकार है

1. जिला पटियाला पंजाब व पेहवा की तरफ से आने वाला ट्रैफिक जिन्होंने सहारनपुर, हरिद्वार, जिला यमुनानगर के क्षेत्र में जाना है वह पेहवा बाईपास एनएच-152 से होकर ईस्माईलाबाद से होते हुए गांव ठोल, कुरडी, नलवी, शाहबाद, साहा के रास्ते अपने गन्तव्य को जा सकते हैं।
2. जिला करनाल की तरफ से आनी वाली ट्रैफिक जिन्होंने सहारनपुर, हरिद्वार या जिला यमुनानगर के क्षेत्र में जाना है तो वह ट्रैफिक एनएच-44 से सीधा शाहबाद शाहबाद, साहा के रास्ते अपने गन्तव्य को जा सकता है।
3. कस्बा लाडवा से यमुनानगर की तरफ जाने वाला यातायात रामकुंडी चौंक से बाबैन, बराड़ा से यमुनानगर की तरफ जा सकता है।
4. करनाल, इंद्री की तरफ से यमुनानगर की तरफ जाने वाला यातायात इंद्री चौंक से बाबैन, बराड़ा से यमुनानगर की तरफ जा सकता है।
5. जो ट्रैफिक उत्तराखण्ड, उत्तरप्रदेश, यमुनानगर से लाडवा के रास्ते आम तौर पर कुरुक्षेत्र से होकर पेहवा, पंजाब के पटियाला आदि को जाती है वह ट्रैफिक कुरुक्षेत्र से न जाकर वाया लाडवा, बाबैन, शाहबाद, नलवी, ठोल, ईस्माईलाबाद, पेहवा से होकर अपने गन्तव्य को जाएगी।
6. जिला यमुनानगर की तरफ से लाडवा कुरुक्षेत्र होकर ढाण्ड, कैथल व उससे आगे जाने वाली ट्रैफिक बडशामी से इन्द्री, भादसो, नीलोखेडी के रास्ते से ढाण्ड-कैथल होते हुए अपने-अपने गन्तव्य को जाएगी।
7. जिला यमुनानगर की तरफ से लाडवा कुरुक्षेत्र होकर ढाण्ड, कैथल व उससे आगे जाने वाली ट्रैफिक लाडवा से इन्द्री, भादसो, नीलोखेडी के रास्ते से ढाण्ड-कैथल होते हुए अपने-अपने गन्तव्य को जाएगी।

उप पुलिस अधीक्षक ने वाहन चालकों से अपील करते हुए कहा कि नाकों पर तैनात यातायात पुलिस द्वारा दिए गये निर्देशों की पालना करके प्रशासन का सहयोग करें।

संपादकीय

चुनाव से पहले बिहार में 35 लाख वोटर लिस्ट से बाहर, विपक्ष ने उठाए आयोग की मंशा पर सवाल!

जी हां बिहार में मतदाता सूची से 35.6 लाख नामों को हटाए जाने की खबर ने राजनीतिक और सामाजिक हलकों में हलचल मचा दी है। चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, यह कार्रवाई मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन करने के उद्देश्य से की जा रही है, लेकिन इससे कई गंभीर सवाल भी खड़े हो रहे हैं। क्या यह प्रक्रिया पारदर्शी है? क्या इतने बड़े पैमाने पर नाम हटाना लोकतांत्रिक अधिकारों का उल्लंघन तो नहीं? दूसरी ओर चुनाव आयोग ने अपनी दलील में कहा है कि मतदाता सूची से नाम हटाने की यह प्रक्रिया नियमित सत्यापन का हिस्सा है, जिसे हर कुछ वर्षों में किया जाता है। आयोग का तर्क है कि यह कवायद 'डुप्लिकेट नामों', मृत व्यक्तियों, स्थानांतरित नागरिकों और दोहरी प्रविष्टियों को हटाने के लिए की जाती है। इसके अतिरिक्त, एक जगह से दूसरी जगह शिफ्ट हुए मतदाताओं को नए क्षेत्र की सूची में स्थानांतरित किया गया है ।हालांकि, चुनाव विशेषज्ञों और कई नागरिक संगठनों का कहना है कि इतनी बड़ी संख्या में नामों का हटाया जाना आशंका पैदा करता है कि कहीं यह किसी खास वर्ग, क्षेत्र या समुदाय को निशाना बनाकर तो नहीं किया गया है। नाम हटाने की प्रक्रिया को लेकर सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या संबंधित मतदाताओं को पूर्व सूचना दी गई? कई मतदाताओं ने शिकायत की है कि उन्हें न तो कोई नोटिस मिला, न ही उन्हें अपना नाम सूची में बनाए रखने का अवसर दिया गया। जिन लोगों के नाम हटाए गए हैं, उनमें बड़ी संख्या ग्रामीण क्षेत्रों, अल्पसंख्यक समुदायों और वंचित तबकों से बताई जा रही है। अगर मतदाता सूची में नाम न हो, तो व्यक्ति चुनाव के दिन अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं कर सकता। यह स्थिति न केवल व्यक्तिगत अधिकारों का हनन है, बल्कि लोकतंत्र की मूल भावना के भी खिलाफ है। राजनीतिक दलों ने इस मुद्दे को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दी हैं।

विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग की कार्रवाई को 'एकतरफा' और 'संदेहास्पद' करार दिया है। उनका आरोप है कि यह कदम 2025 में संभावित विधानसभा चुनावों से पहले कुछ राजनीतिक दलों को लाभ पहुंचाने के इरादे से उठाया गया है। वहीं, सत्ताधारी दल का कहना है कि चुनाव आयोग एक स्वतंत्र संस्था है और वह अपने अधिकारों का प्रयोग कर रही है। यदि किसी को आपत्ति है तो वह औपचारिक रूप से शिकायत दर्ज करवा सकता है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि नाम हटाने की प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। इसके लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा सकते हैं: सूचना देना अनिवार्य हो झ जिनके नाम हटाए जा रहे हैं, उन्हें व्यक्तिगत रूप से सूचना देना और उन्हें प्रत्यावेदन का अवसर देना अनिवार्य होना चाहिए। ऑनलाइन वेरिफिकेशन सिस्टम को बेहतर बनाना झ जिससे नागरिक समय रहते अपने नाम की स्थिति जांच सकें। स्थानीय निकायों की भागीदारी झ ग्राम पंचायत, नगर निगम, और वार्ड स्तर पर सत्यापन में स्थानीय प्रतिनिधियों को शामिल करना। स्वतंत्र निगरानी समिति का गठन झ निष्पक्ष नागरिक समाज और गैर-राजनीतिक विशेषज्ञों की निगरानी में यह कार्य हो ।चुनाव प्रक्रिया का विश्वसनीय और निष्पक्ष होना लोकतंत्र की रीढ़ है। यदि मतदाता सूची से नाम हटाने जैसी प्रक्रिया संदेहास्पद हो जाती है, तो इसका असर पूरे चुनावी माहौल पर पड़ सकता है। बिहार जैसे राजनीतिक रूप से संवेदनशील राज्य में यह और भी गंभीर स्थिति पैदा कर सकता है। ऐसे में चुनाव आयोग को पारदर्शिता, जवाबदेही और नागरिक सहभागिता के सिद्धांतों पर कायम रहकर इस प्रक्रिया को अंजाम देना चाहिए, ताकि हर नागरिक का मताधिकार सुरक्षित रहे।

मोदी-मोहन और संघ-सत्ता की उलझन में छटपटाता विपक्ष

हरीश शिवनानी (हि.स)

एक दशक से दिल्ली की सत्ता से वंचित और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से खुन्नस खाए विपक्षी दलों के मन में एक बार लड्डू फूटने लगे हैं। उन्हें लगने लगा है कि इस बार शायद भाजपा और भारत मोदी मुक्त हो जाएगा। यह लड्डू उनके दिल में फूटा है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के एक भाषण से,जिसमें उन्होंने 75 वर्ष की आयु में सत्ता छोड़ कर ह्यबाजू हटनेह्ल की बात कही। दिलचस्प यह कि मोदी-खुन्नस में विपक्ष के दल भागवत के भाषण की वास्तविक मीमांसा भी नहीं कर सके कि यह बात भागवत ने किस संदर्भ-प्रसंग और किस भाव से कही थी।

दरअसल भागवत के जिस भाषण पर कॉंग्रेस और शिव सेना और अन्य दल उछल रहे हैं वो भाषण उन्होंने 9 जुलाई को नागपुर में राम जन्मभूमि आंदोलन के प्रेरक दिवंगत मोरोपंत पिंगले पर लिखी पुस्तक ह्यमोरोपंत पिंगलेः द आर्किटेक्ट ऑफ हिंदू रिसर्जेंसह्ल के विमोचन-कार्यक्रम में कही। कार्यक्रम में भागवत ने पिंगले की विनोद-वृत्ति को याद करते हुए कहा, 1993 में संघ की वृंदावन में आयोजित बैठक में हो. वे. शेषाद्री जी ने मोरोपंत जी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर उन्हें सम्मान स्वरूप शॉल ओढ़ाई । इस पर विनोदी स्वभाव के पिंगले ने अपने संबोधन में कहा कि ' 75 वर्ष पर आपने सम्मान किया, लेकिन इसका अर्थ मैं जानता हूं। 75 वर्ष की शॉल जब ओढ़ाई जाती है, तब उसका अर्थ यह होता है कि अब आप की आयु हो गई, अब जरा बाजू हो जाओ, हमें करने दो।' भागवत ने यह किस्सा हास-परिहास के अंदाज सुनाया था। न कि किसी नीति के तौर पर। इसमें न तो भागवत के रिटायरमेंट का कोई संकेत है और न ही प्रधानमंत्री मोदी के लिए कोई संदेश।

भाजपा के संविधान में पद त्याग करने या रिटायरमेंट की उम्र का कोई नियम नहीं है। ऐसे अनेक दृष्टांत हैं, जब भाजपा के नेताओं ने 75 वर्ष की आयु के बाद पद संभाला है। मोदी के 75 साल की उम्र में रिटायरमेंट को लेकर पहले भी गाहे-बेगाहे राजनीतिक बयानबाजी होती रही है। भाजपा के पहले प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी 2004 में जब पद पर थे तो उनकी उम्र 80 वर्ष और उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी की उम्र 77 वर्ष थी। खुद नरेंद मोदी के पहले कार्यकाल में उनके मंत्रिमंडल में उद्योग मंत्री कलराज मिश्र 78 वर्ष के थे। 2021 में केरल विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने पालक्कड़ सीट से 88 साल के टेक्नोक्रेट ई.श्रीधरन को भी मैदान में उतारा था। दूसरी ओर स्वयं कांग्रेस की सर्वोच्च नेता सोनिया गांधी की उम्र 78 और हाल ही राष्ट्रीय जनता दल के पुनः अध्यक्ष चुने गए लालू प्रसाद यादव की उम्र 77 साल है। उधर, संघ में भी पद छोड़ने की कोई उम्र निर्धारित नहीं है। बालासाहब देवरस, प्रो. राजेंद्र सिंह और के.एस. सुदर्शन 75 वर्ष से अधिक उम्र तक सरसंघचालक रहे। मोहन भागवत भी वर्तमान में दो महीने बाद 75 वर्ष की आयु पूरी कर लेंगे और वे भी पद पर बने रहेंगे। भागवत के इस भाषण और इसके पूर्व भी देश के विपक्षी दल, भाजपा विरोधी बुद्धिजीवी और कांग्रेस इकोसिस्टम के राजनीतिक टिप्पणीकार संघ और मोदी के बीच रिश्तों में खिंचाव को लेकर कपोल-कल्पित और तथ्य-सत्यहीन टिप्पणियों से मोदी और संघ के विरोध तथा ह्यमोदी-मुक्त भारतह्ल की घोषणा कर चुके हैं। संघ और भाजपा के सम्बंध इतने अटूट हैं कि 1977 में सत्तासीन जनता पार्टी ने जनसंघ के नेताओं से संघ से अपनी सदस्यता समाप्त करने की मांग की लेकिन जनसंघ के नेताओं, जैसे अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी ने इस मांग को अस्वीकार कर दिया, क्योंकि वे संघ को अपनी वैचारिक नींव मानते थे। इस विवाद के बाद जनसंघ ने सत्ता छोड़नी मंजूर की लेकिन संघ से नाता नहीं तोड़ा।

पिछले 35 सालों से बहुमत को तरस रही और गत तीन आम चुनावों में हार से तिलमिलाई काँग्रेस मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से सत्ता के लिए बेचैन है। राजनीतिक उच्च परंपराओं और सामाजिक शिष्टाचार को दरकिनार कर इसके नेता विदेशों में जाकर देश और मोदी की निंदा भी करते रहे हैं। कमोबेश यही हाल ह्यइंडियाह्ल गठबंधन से जुड़े सभी हताश दलों का है।

विपक्ष संघ और भाजपा, मोदी और भागवत के बीच अनबन का नरेशन बनाने की कोशिश में प्रोपेगैंडा फैला रहा है, वे शायद नहीं जानते कि मोदी और भागवत बहुत पुराने दोस्त भी हैं। उनकी दोस्ती हमेशा राजनीति और सत्ता से ऊपर रही है। भागवत के पिता मधुकर राव ने ही मोदी को संघ में प्रशिक्षण दिया था। प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी नागपुर के संघ मुख्यालय भी गए थे, जहाँ मंच पर मोदी और भागवत के बीच की आत्मीयता साफ दिखाई दे रही थी। समारोह में मोदी ने संघ के बारे में कहा कि ह्ययह भारत के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और आधुनिकीकरण का प्रतीक है। यह राष्ट्रीय चेतना को ऊर्जा देता है। संघ मानता है कि मोदी ने संघ के प्रमुख उद्देश्यों, अनुच्छेद 370 हटाने, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण और समान नागरिक संहिता के स्वप्न को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संबंधों के ऐसी समृद्ध और परिपक्व पृष्ठभूमि के बावजूद विपक्ष और विपक्ष के इकोसिस्टम से जुड़े कथित बुद्धिजीवी और राजनीतिक विशेषज्ञ अगर सितंबर की 11 तारीख को संघ प्रमुख पद से मोहन भागवत और 17 सितंबर को प्रधानमंत्री पद से नरेंद्र मोदी के त्यागपत्र की उम्मीद कर रहे हैं तो यह उनके ख्याली पुलाव और मोदी-मुक्ति की छटपटाहट के सिवाय कुछ नहीं।

ऐसी पढ़ाई में है सारे बच्चों की भलाई

प्रियंका सौरभ (हि.स)

भारत के शिक्षा तंत्र में दशकों से एक अदृश्य रेखा बनी रही है। वह है आगे की बेंच और पीछे की बेंच। जहां आगे की बेंच पर बैठने वाले छात्र अकसर मेधावी माने जाते हैं, वहीं पीछे की बेंच को उपेक्षा और उपहास का प्रतीक समझा जाता है। लेकिन केरल के सरकारी स्कूलों में हाल ही में जो बदलाव लाया गया है, वह इस मानसिकता को जड़ से चुनौती देता है। अब वहां 'बैक बेंचर्स' नाम की कोई चीज नहीं है। केरल के स्कूलों में अब छात्रों को गोल घेरे में (यू-शेप) में बैठाया जा रहा है, जिससे हर बच्चा शिक्षक के सामने होता है, न कोई आगे, न कोई पीछे। यह केवल एक बैठने की शैली नहीं, बल्कि एक वैचारिक क्रांति है। यह इस सोच को तोड़ता है कि सीखने का अधिकार कुछ बच्चों तक सीमित है।

इस बदलाव का उद्देश्य स्पष्ट है-बराबरी, भागीदारी और समावेशिता। हर बच्चा अब शिक्षक से आंख मिलाकर संवाद कर सकता है, अपने सवाल पूछ सकता है और खुद को महत्वपूर्ण महसूस कर सकता है। बताया जाता है कि यह नई व्यवस्था एक फिल्म में दिखाई गई कल्पना से प्रेरित है। कभी-कभी सिनेमा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि बदलाव की प्रेरणा भी बन जाता है। जिस तरह 'तारे जमीन पर' ने विशेष बच्चों को लेकर दृष्टिकोण बदला, वैसे ही इस फिल्म ने शिक्षा व्यवस्था पर सोचने को मजबूर किया। केरल ने उस कल्पना को जमीन पर उतारा और यही वह दृष्टिकोण है जो भारत के शिक्षा क्षेत्र में एक नई रोशनी बन सकता है।

शिक्षा केवल किताबी ज्ञान नहीं, वह एक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है। एक बच्चा जो हमेशा पीछे बैठाया जाता है, उसके आत्मविश्वास पर इसका असर पड़ता है। उसे लगता है कि वह कमतर और गैरजरूरी है। जब वही बच्चा शिक्षक के सामने बैठता है, चर्चा का हिस्सा बनता है, तो उसके भीतर एक नई ऊर्जा जन्म लेती है। नई बैठने की व्यवस्था केवल छात्रों के लिए नहीं, शिक्षकों के लिए भी एक चुनौती और अवसर दोनों है। अब शिक्षक को केवल सामने खड़े होकर भाषण देने वाला नहीं, बल्कि बातचीत और सहभागिता में विश्वास रखने वाला मार्गदर्शक बनना होगा। यह 'एकतरफा शिक्षा' को 'दोतरफा संवाद' में बदलता है। यह नई व्यवस्था शिक्षा में लोकतंत्र लाने की शुरूआत है। जहां सभी बच्चों को समान दृष्टि से देखा जाता है। यह भारत के संविधान की उस मूल भावना के अनुरूप है, जो समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व की बात करता है।

भारत में शिक्षा को लेकर अकसर यह शिकायत रहती है कि कक्षा का वातावरण असमानता को बढ़ावा देता है। कुछ बच्चों को ही शिक्षक का ध्यान मिलता है, जबकि अन्य बच्चे पीछे छूट जाते हैं। केरल की यह पहल इस असंतुलन को खत्म करने का प्रयास है। जब हर बच्चा एक जैसे स्थान पर बैठेगा, तो शिक्षक की दृष्टि और संवाद में भी समता आएगी। शिक्षा को समाजशास्त्र के नजरिए से देखें तो यह व्यवस्था वर्ग, जाति और आर्थिक स्थिति से जुड़ी भेदभावपूर्ण मानसिकता को भी चुनौती देती है। पिछली पंक्तियों में अकसर वे बच्चे बैठते थे जो या तो सामाजिक रूप से दबे हुए होते थे या जिनका आत्मविश्वास कम होता था। अब जब वे केंद्र में होंगे, तो उनके आत्म-सम्मान में वृद्धि होगी।

केरल का यह प्रयोग इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह केवल नीति-निमार्ताओं द्वारा ऊपर से थोपा गया बदलाव नहीं है, बल्कि शिक्षकों, छात्रों और स्कूल प्रशासन की सामूहिक सोच और सहमति से उपजा विचार है। यह समावेशी शिक्षा के वैश्विक सिद्धांतों के अनुकूल है, जिसमें हर बच्चे को समान अवसर देना प्राथमिकता है। नई व्यवस्था बच्चों को पारंपरिक अनुशासन की जगह से निकालती है और उन्हें संवाद, सहयोग और सहभागिता की दुनिया में लाती है। यह शिक्षण पद्धति को अधिक संवादात्मक, जीवंत और व्यावहारिक बनाती है।

इस मॉडल का एक मनोवैज्ञानिक पहलू भी है- जब बच्चा खुद को महत्वपूर्ण महसूस करता है, तो उसकी सीखने की क्षमता बढ़ जाती है। आत्म-सम्मान, आत्म-विश्वास और कक्षा में सक्रियता आपस में जुड़े हुए हैं। इसलिए यह व्यवस्था केवल बैठने की शैली नहीं, बल्कि सीखने की संस्कृति में बदलाव है। व्यवहारिक दृष्टि से यह व्यवस्था आसान नहीं है। देश के अधिकांश स्कूलों में कक्षाएं छोटी हैं, छात्र संख्या अधिक है और फर्नीचर सीमित। लेकिन यह असंभव भी नहीं है। यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति हो और शिक्षक समुदाय इस दिशा में तैयार हो, तो यह मॉडल अन्य राज्यों में भी अपनाया जा सकता है।

देशभर में शिक्षा बजट का एक हिस्सा कक्षा के पुनर्गठन में लगाया जाए तो यह केवल भौतिक परिवर्तन नहीं, मानसिक और शैक्षणिक बदलाव भी लेकर आएगा। इसके लिए शिक्षक प्रशिक्षण, स्कूलों की संरचना और पाठ्यचर्या में भी सुधार जरूरी है। निजी स्कूलों को भी इस पहल से सीख लेनी चाहिए। अगर वे वास्तव में छात्रों का सम्पूर्ण विकास चाहते हैं, तो इस मॉडल को अपनाना न केवल उचित होगा बल्कि जरूरी भी। माता-पिता, अभिभावकों और समाज को भी इस पहल का स्वागत करना चाहिए। उन्हें यह समझना होगा कि शिक्षा केवल अंक लाने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि एक सामाजिक, मानसिक और नैतिक विकास की प्रक्रिया है।

यह व्यवस्था उस सोच को भी चुनौती देती है कि शिक्षक सर्वोपरि है और छात्र केवल एक श्रोता। अब शिक्षक और छात्र दोनों संवाद के भागीदार हैं। यह आधुनिक शिक्षा की मूल भावना है, जहां शिक्षा 'सत्ता' नहीं बल्कि 'साझेदारी' है। केरल का यह प्रयोग भारत की शिक्षा नीति 2020 के विजन के भी अनुरूप है, जो रटंत विद्या से हटकर सोचने, संवाद करने और रचनात्मक बनने पर बल देती है। जब छात्र संवाद के केंद्र में होंगे, तो उनकी सोचने की क्षमता और आत्म-अभिव्यक्ति का स्तर भी बढ़ेगा।

शिक्षा को लेकर हमारे समाज में अकसर एक डर का माहौल बना रहता है। मसलन-परीक्षा का डर, अंक का डर, असफलता का डर। लेकिन जब कक्षा का वातावरण सहभागी और संवादात्मक होता है, तो ये डर धीरे-धीरे खत्म होते हैं। यही डर-मुक्त शिक्षा की दिशा में एक बड़ा कदम है। संक्षेप में कहें तो केरल के स्कूलों में बैठने की इस नई व्यवस्था ने केवल कुर्सी-मेजें नहीं बदली हैं, बल्कि एक पूरी पीढ़ी के सोचने, सीखने और समाज से जुड़ने के तरीके को बदला है। यह परिवर्तन छोटे स्तर पर शुरू हुआ है, लेकिन इसके परिणाम बहुत बड़े हो सकते हैं। आशा है कि भारत के अन्य राज्य भी इस प्रयोग से प्रेरणा लेकर शिक्षा को 'प्रतियोगिता' से निकालकर 'समावेशिता' की ओर ले जाएंगे। जब हर बच्चा केंद्र में होगा, तभी समाज का केंद्र भी न्याय, समानता और सहभागिता पर टिकेगा।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

शिक्षा में भारतीय ज्ञान का समावेश:क्यों और कैसे?

गिरीश्वर मिश्र (हि.स)

सुनने में यह कुछ अटपटी सी बात लगती है कि भारतीय शिक्षा को अब 'भारतीय' ज्ञान-परम्परा के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए पहल की जा रही है। इसे लेकर आम आदमी के मन में कई सवाल खड़े होते हैं। भारतीय होने का क्या अर्थ है ? जो ज्ञान-परम्परा स्वतंत्र भारत में चलती रही है वह किस अर्थ में भारतीय नहीं थी या कम भारतीय थी ? भारतीय ज्ञान-परम्परा का स्वरूप क्या है ? वह किस रूप में दूसरी ज्ञान-परम्पराओं से अलग है ? इस भारतीय ज्ञान-परम्परा की विशिष्टता क्या है जो हम इसकी ओर मुड़ें ? हालांकि इन प्रश्नों का उत्तर बहुत कुछ राजनीतिक पसंद और नापसंद पर निर्भर करता है पर आज के ज्ञान-युग में सामर्थ्यशाली होने के लिए इस पर विचार करना भारत के लिए किसी भी तरह से वैकल्पिक नहीं कहा जा सकता। शिक्षा भारत में हो रही है, वह भारतीय शिक्षार्थियों के लिए है और भारतीयों द्वारा ही दी जा रही है। यह लोक-रुचि और लोक-कल्याण की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। उस पर सार्वजनिक विचार होना ही चाहिए ।

तटस्थता और उपेक्षा का नजरिया छोड़ कर इस पर अच्छी तरह से ध्यान देना जरूरी है। आखिरकार यह पूरे समाज की मनोवृत्ति, आचरण और देश के सांस्कृतिक अस्तित्व का सवाल है। शिक्षा की दृष्टि से यह एक गंभीर तथ्य हो जाता है कि हम आलोचनात्मक रूप से चिंतनहीन और सर्जनात्मकता की दृष्टि से पंगु होते जा रहे हैं। शैक्षिक निष्पादन चिंताजनक रूप से घट रहा है। राजनीति में आडम्बर और मानवीय मूल्य दृष्टि की बढ़ती कमी आज सबको खटक रही है। सामाजिक जीवन के अनेक क्षेत्रों में चिन्ताएं बढ़ रही हैं। उदाहरण के लिए न्याय व्यवस्था में आज तक अपेक्षित सुधार नहीं लाया जा सका । आज करोड़ों मुकदमें हैं जिनमें झूठे मुकदमे भी हैं और करोड़ों परिवार त्रस्त हैं। नागरिक जीवन से जुड़ी व्यवस्थाएं चाक चौबंद नहीं हैं। ऐसे में शिक्षा पर बहुतों की नजरें टिकी हैं और उसके सुधार से बड़ी आशाएं जगती हैं।

शिक्षा नीति में भारतीयता की दिशा में बदलाव की पहल के प्रति समाज में कई तरह की प्रतिक्रियाएं मिलती हैं। पश्चिमी शिक्षा और ज्ञान को सार्वभौमिक मान रहे लोग इसे राजनैतिक शगूफा मान रहे हैं, कुछ इस मोड़ के प्रति तटस्थ हैं, कुछ थोड़े संभ्रम के साथ उत्सुक हैं। कुछ हैं जो वास्तविक अर्थों में इसे गंभीरता से भी ले रहे हैं पर उनकी संख्या बहुत थोड़ी है । जो भी हो भारतीय ज्ञान-परम्परा का नीति-निर्माण की दुनिया में प्रवेश हो चुका है। नई शिक्षा नीति को लेकर देश भर में हुई लगातार हुई चर्चाओं के कई दौर चलने के बाद विभिन्न विषयों के पाठयक्रम भारतीय ज्ञान-परम्परा के प्रति उन्मुख हो रहे हैं और आम जनों के बीच भी इसे लेकर उत्सुकता बढी है। पर शिक्षा में भारतीयता की इस सतही उपस्थिति से आगे बढ कर गम्भीर और व्यवस्थित रूप इस उपक्रम को अभी तक नहीं मिल सका है। कई लोग इसे एक नारा मान कर चल रहे हैं जब कि कुछ के लिए यह अस्मिता और भावना का प्रश्न बन गया है।

यह तो तय है कि यदि पश्चिमी खर्चीले और अंशतः दिशाहीन तथा आयातित ज्ञान को थोपे जाने से मुक्ति की इच्छा है और अपने देश के ज्ञान, कौशल और अस्मिता को बंधक से छुड़ाने का मन है तो शिक्षा में बदलाव लाना ही होगा। यह भी निर्विवाद है कि देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मानसिक स्वराज जरूरी है और अपनी ज्ञान-व्यवस्था को पुनर्जीवित करना होगा। ओढ़ी हुई आधुनिकता की जगह नवोन्मेषी हो कर समकालीन परिस्थितियों में सकारात्मक परिवर्तन भी लाना होगा। हमको सांकेतिक और सजावटी बदलाव के भुलावे से आगे बढ़कर परिस्थितियों का सामना करना होगा और शिक्षा में जरूरी रूपांतर भी लाना होगा क्योंकि मानसिक गुलामी कई तरह से देश को आहत करती आ रही है जिसका बहुतों को पता भी नहीं होता। भारत के मानस का वि-उपनिवेशीकरण (डिकोलोनाइजेशन) शिक्षा में भारतीय दृष्टि की विवेकपूर्ण संगति के सिवाय कोई और मार्ग नहीं है। भारत की शिक्षा को भारतीय दृष्टि में स्थापित करने के परिणाम भारत और विश्व दोनों के ही हित में होगा। ज्ञान-विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विस्तार के पश्चिमी माडेल का खोखलेपन दिन-प्रतिदिन उजागर हो रहा है। अविरल चलती हिंसा, जलवायु-परिवर्तन की बढ़ती मुश्किलें, तीव्र होती गलाकाट प्रतिस्पर्धा, पर्यावरण का भीषण प्रदूषण, मनुष्यता की जगह बाजार का बढ़ता प्रभुत्व और अब कृत्रिम मेधा के क्रांतिकारी तकनीकी परिवर्तनों की सौगात ज्ञान के पश्चिमी नेताओं की सोच और मानसिकता पर प्रश्नचिह्न लगा रही है। यह सारा विकास मनुष्यता के विनाश का कारण बन रहा है। भारतीय ज्ञान-परम्परा मनुष्य की क्लेशों से मुक्ति की कामना करती है परंतु यह खेद की बात यह है कि बहुतों के मन में इस ज्ञान-परम्परा की वही बेढ़ब और अस्पष्ट छवि अभी भी बरकरार है जो कभी अंग्रेज बहादुरों ने बनाई थी और जिसे करीब दो सदियों लम्बे औपनिवेशिक दौर में भारतीयों ने बहुत हद तक आत्मसात कर लिया था। इसी के चलते आज बहुत से लोग इसे स्वर्णिम अतीत की अनावश्यक स्मृति का ऐसा आग्रह या व्यामोह मानते हैं जो वर्तमान से अछूता है । हालाँकि आज की वैश्विक परिस्थितियों की सच्चाई पश्चिमी ज्ञान को लेकर निराशा ही दिखा रही है और लगातार हो रहे युद्ध से उसके बारे में बचे-खुचे भ्रम टूट बिखर रहे हैं ।

वस्तुतः यह सोच दूषित और दुराग्रहपूर्ण है कि भारतीय ज्ञान-परम्परा के प्रयोजन, परम्परा और दृष्टि संदिग्ध है। सच्ची बात यह है कि भारतीय ज्ञान-परम्परा ज्ञान-विज्ञान भी है और जीवन-दर्शन भी। यह यूरोकेंद्रित सोच-विचार का प्रभावी विकल्प प्रस्तुत करती है और वास्तविक जीवन अनुभव, आचार, नैतिकता और व्यापक सृष्टि की अवधारणाओं से जोड़ती है। भारतीय ज्ञान-परम्परा कोई काल में दफ्न वस्तु नहीं है। वह जीवित है और विकसित भी होती रही है। हां, इसके संस्थागत रूप की निरंतर उपेक्षा होती रही और हम उससे विरक्त होते गए। व्यक्तिवादी, अमूर्त्त, मात्रात्मक, और एकांत अनुशासनों की पक्षधर पश्चिमी ज्ञान परम्परा में सभी विषय स्वतंत्र ढंग से अलग-अलग विकसित हुए हैं ।

इसकी परिणति अतिरिक्त विशेषज्ञता के विकास में दिख रही है। भारतीय ज्ञान-परंपरा समेकित और अंतःक्रियात्मक है। इस प्रतिमान या पैराडाइम में परस्पर अवलंबन और पूरकता है। न्याय, मीमांसा, आयुर्वेद और योग आदि में ज्ञान की सुनम्य विधियों, सुचिंतित तर्क और अनुभव का उपयोग करते हैं और इनके बीच आवाजाही भी है । इस परम्परा में मनुष्य को प्रकृति के दोहन-शोषण का एकाधिकार नहीं है क्योंकि मनुष्य को पर्यावरण और ब्रह्मांड में स्थापित है न कि उसका केंद्र है। ज्ञान का सामाजिक संदर्भ में स्थित होना और नैतिक मूल्यों पर टिका होना भारतीय ज्ञान परम्परा को आधुनिक विज्ञान की दृष्टि को पूर्णता तक ले जाता है।

भारतीय ज्ञान-परम्परा के विषय में संदेह और उत्साह की कमी अज्ञानता के कारण है जो सांस्कृतिक विस्मरण के साथ बढ़ता रहा है। शिक्षा नीतिझ2020 के प्राविधान के बाद भी औपनिवेशिक प्रभाव में पश्चिमी ज्ञान जहां सार्वभौम माना जा रहा है भारतीय ज्ञान स्थानीय मान कर हाशिए पर ही डाला जा रहा है । उसे बेतरतीब ढंग से पश्चिमी ज्ञान के मूल विषय-विस्तार में बैठा दिया जा रहा है चाहे वह संगत हो या असंगत। इस प्रसंग में यह भी भूल जाया जाता है कि भारतीय ज्ञान परम्पराएं पुरावशेष न हो कर लोक-जीवन में कई रूपों में सजीव रूप से विद्यमान हैं। पर्यावरण-संरक्षण, नैतिक आचरण, औषधीय उपाय तथा सामाजिक-सांस्कृतिक ज्ञान की सामग्री आमजनों, जन-जातियों और गावों में इतस्ततः बिखरी पड़ी हैं । जरूरी दस्तावेजीकरण, संरक्षण और प्रशिक्षण की व्यवस्था के अभाव में ये विनष्ट हो रही हैं।

इस दृष्टि से वाचिक परंपराओं को भी शिक्षा में समाहित करना होगा। जनजातियों, स्त्रियों और विभिन्न समुदायों के ज्ञान प्रायः मुख्य धारा से बहिष्कृत रहते हैं। भारतीय ज्ञान-परंपरा केवल अतीत की ओर नहीं देखती । वह शरीर मन और पर्यावरण के आवश्यक संतुलन पर बल देती है। भारतीय ज्ञान-परंपरा हमारे सभ्यता के उत्कर्ष का साधन बन सकती है बशर्ते हम साहस और विवेक के साथ काम करें। यह परम्परा सब किसी की है और सबके लिए है। भारत की ज्ञान-व्यवस्था आश्चर्यजनक रूप से बहुलता वाली रही है। इसे पुनर्जीवित करने के लिए लोकतांत्रिक तौर पर समावेशी होना होगा। शास्त्र का आदर आवश्यक है परंतु संस्कार, अभ्यास, आख्यान और जीवन के अनुभव कम महत्व के नहीं हैं। पाठ्यक्रम में प्राचीन ज्ञान और आधुनिक अनुप्रयोग दोनों की ही जगह होनी चाहिए।

भारत के बौद्धिक पुनर्जागरण के लिए और पश्चिमी ज्ञान के आगे जाने के लिए इनको मुख्यधारा में प्रवेश देना होगा । शिक्षा नीति तो आरंभ है बहु क्षेत्रीय निवेश से ही यह पहल टिकाऊ हो सकेगी। भारतीय ज्ञान-परम्परा पर विचार करते हुए विशाल भारत में संस्कृत के साथ ही तमिल, बौद्ध, जनजातीय और वाचिक परम्पराओं की प्राचीन ऋंखला पर, जो युगों से चलती चली आ रही है, ध्यान देना होगा। दस्तावेजीकरण और प्रचार-प्रसार बहुभाषी और समावेशी होना चाहिए। वस्तुतः एक ऐसे पुनर्जागरण की जो उपनिवेश से मुक्ति दिला सके, बहुत दिनों से प्रतीक्षा थी । इसे एक बौद्धिक अवसर के रूप में देखा जना चाहिए। ऐसे समृद्ध पाठ्यक्रम जो अंतरानुशासनिक नजरिए को आगे बढ़ाएं जरूरी होंगे । तभी भारतीय ज्ञान-परम्परा को समाज विज्ञान, मानविकी, और जीवन विज्ञान, तकनीकी आदि के विषयों के साथ जोड़ा जा सकेगा। पाठ्यक्रम में बिना गंभीर सुधार लाए कोई सार्थक सामाजिक - आर्थिक परिवर्तन नहीं आ सकेगा। इसके लिए सार्वजनिक और निजी निवेश के साथ गंभीर अकादमिक पहल जरूरी है।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

आज का राशिफल

मेषः आज आपको विदेशी कंपनियों से नौकरी या व्यापार के प्रस्ताव मिल सकते हैं। जीवनसाथी से संवाद में पारदर्शिता रखें अन्यथा घरेलू तनाव हो सकता है। लंबी दूरी की यात्रा से बचें। अधूरे कामों में अड़चनें आ सकती हैं, जिससे चिड़चिड़ापन महसूस होगा।

वृषभः कार्यक्षेत्र में नए मित्र बन सकते हैं और आपके कार्य की सराहना होगी। दोस्तों के साथ मौज-मस्ती की योजना बन सकती है। धैर्य और शांति बनाए रखें, व्यापार में लाभ के योग हैं। पारिवारिक सहयोग आपको मानसिक संबल देगा।

मिथुनः दिन की शुरूआत शुभ संकेतों के साथ होगी। मार्केटिंग या सेल्स से जुड़े लोगों को लाभ मिलेगा। घर में सुख और शांति बनी रहेगी। उच्चाधिकारियों से बेहतर संबंध बनाए रखें। बच्चों की उपलब्धियों से गर्व महसूस होगा। अनुशासित जीवनशैली अपनाना लाभकारी रहेगा।

कर्कः जीवनसाथी के साथ बाहर भोजन की योजना बन सकती है। पुराने रोगों से राहत मिलने के संकेत हैं। घर में मेहमानों का आगमन संभव है। दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप करने से बचें। सहकर्मी आपकी सोच की सराहना कर सकते हैं। भविष्य की योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करें।

सिंहः कार्यभार अधिक रहने से तनाव बढ़ सकता है। इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के रख-रखाव में सतर्क रहें। गूढ़ विषयों का अध्ययन रुचिकर रहेगा। महिलाएं स्वास्थ्य (विशेषकर हार्मोन) को लेकर सतर्क रहें। कानूनी मामलों में उलझन हो सकती है।

कन्याः कार्यक्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। बच्चे जिम्मेदारियों को समझेंगे। लंबे समय से अटके काम दोबारा शुरू हो सकते हैं। जीवनसाथी से भरपूर सहयोग मिलेगा। विरोधियों पर आपको जीत मिलेगी।

तुलाः जीवनसाथी से मधुरता बनी रहेगी। सहकर्मियों से सहयोग मिलेगा लेकिन आत्मविश्वास में कुछ कमी रह सकती है। मौसम जनित बीमारियों जैसे सिरदर्द से परेशानी हो सकती है। परीक्षा या मूल्यांकन में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं।

वृश्चिकः आज नए काम शुरू करने से बचें। सरकारी कामों में सफलता मिलने के संकेत हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को लाभ हो सकता है। अपनी रचनात्मकता को और निखारें। वाहन सावधानी से चलाएं।

धनुः व्यवसाय में नए प्रयोग करने का दिन है। सरकारी योजनाओं से लाभ मिल सकता है। कीमती वस्तुओं की खरीदी होगी। धार्मिक गतिविधियों में भाग लेंगे। माता-पिता का आशीर्वाद और मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

मकरः आर्थिक स्थिति सुदृढ़ बनी रहेगी। जीवनसाथी संग एकांत में समय बिताने का अवसर मिलेगा। पारिवारिक मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श होगा। व्यक्तित्व में आत्मविश्वास झलकेगा। नई नौकरी या कार्य प्रारंभ होने की संभावनाएं बन रही हैं।

कुंभः आज के दिन कड़ी मेहनत के बावजूद फल में विलंब हो सकता है। आज के दिन बैंकिंग या वित्तीय मामलों में सतर्क रहें। बच्चों संग समय बिताना सुकून देगा। प्रेम संबंधों में तकरार की आशंका है। स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करें।

मीनः आज के दिन आज संपत्ति से जुड़ा लाभ मिलेगा। आज के दिन किसी गंभीर समस्या का समाधान निकलेगा। कीमती वस्तुओं की खरीदी संभव है। धार्मिक आयोजनों में भागीदारी रहेगी। अधिकांश कार्य सहजता से पूर्ण होंगे।

वित्त मंत्री चीमा ने 1986 की घटनाओं संबंधी कार्रवाई रिपोर्ट की गुमशुदगी का मामला उठाया; विधानसभा अध्यक्ष द्वारा कमेटी के गठन की घोषणा

पंजाब धार्मिक ग्रंथों के विरुद्ध अपराध की रोकथाम विधेयक, 2025 की महत्ता दर्शाने के लिए ऐतिहासिक घटनाओं का किया उल्लेख, फरवरी 1986 की पीड़ादायक घटनाओं का दिया संदर्भ

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज पंजाब विधानसभा का ध्यान वर्ष 1986 की पीड़ादायक घटनाओं की ओर आकर्षित करते हुए जस्टिस गुरनाम सिंह कमीशन की रिपोर्ट का मामला उठाया। उन्होंने बताया कि इस रिपोर्ट की एक प्रति विधानसभा में मौजूद है, किंतु कार्रवाई रिपोर्ट रहस्यमय ढंग से लापता हो गई है। उन्होंने विधानसभा स्पीकर कुलतार सिंह संधवां से इस महत्वपूर्ण दस्तावेज को खोजने हेतु एक कमेटी गठित करने की अपील की, जिस पर विधानसभा स्पीकर ने उक्त रिपोर्ट का पता लगाने के लिए कमेटी के गठन की घोषणा की। पंजाब धार्मिक ग्रंथों के विरुद्ध अपराध की रोकथाम विधेयक, 2025 पर चर्चा के दौरान विधानसभा को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री स हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि जस्टिस गुरनाम सिंह कमीशन की लापता कार्रवाई रिपोर्ट को खोजने से पंजाब के लोगों को वर्ष 1986 की घटनाओं की सच्चाई को जानने, उस समय जिम्मेदार व्यक्तियों की भूमिका को समझने तथा उनके उत्तराधिकारियों की वर्तमान कार्यशैली को परखने में सहायता मिलेगी।

स चीमा ने प्रस्तावित विधेयक की महत्ता और जवाबदेही की आवश्यकता को रेखांकित करने के लिए इतिहास की घटनाओं का संदर्भ दिया। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक रूप से जब-जब पंजाब में शिरोमणि अकाली दल के नेतृत्व वाली या धार्मिक विचारधारा से जुड़ी सरकार सत्ता में आई, तब राज्य को अस्थिर करने की नीयत से प्रत्यक्ष रूप से या साजिश के माध्यम से गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी के प्रयास किए गए।

वित्त मंत्री ने विशेष रूप से 2 फरवरी 1986 की दुखद घटना का उल्लेख किया, जब शिरोमणि अकाली दल के शासनकाल के दौरान गुरुद्वारा साहिब गुरु अर्जुन देव जी, नकोदर में पांच पवित्र बीड़ें जला दी गईं। उन्होंने इसके पश्चात 4 फरवरी 1986 की घटनाओं का भी उल्लेख किया, जब चार युवक झ रविंदर सिंह लित्तड़ां, बलधीर सिंह रामगढ़, झिरमल सिंह गुरसियाणा, और हरमिंदर सिंह झ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के दौरान गोलियों का शिकार हो गए, जैसे कि में बरगाड़ी में देखे गए भांति।

वित्त मंत्री ने कहा कि इन घटनाओं के समय राज्य में शिरोमणि अकाली दल की सरकार थी, जिसमें सुरजीत सिंह बरनाला मुख्यमंत्री, कैप्टन कंवलजीत सिंह गृह मंत्री, और वर्तमान कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैहरा के पिता सुखजिंदर सिंह खैहरा शिक्षा मंत्री थे। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि उस समय की सरकार द्वारा न तो कोई कार्रवाई की गई और न ही कोई एफ.आई.आर. दर्ज नहीं की गई।

पंजाब सरकार बहुपक्षीय दृष्टिकोण अपनाते हुए आवारा पशुओं की समस्या के समाधान के लिए बनाएगी व्यापक रणनीति: रवजोत सिंह

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने आज विधानसभा में घोषणा की कि राज्य सरकार पंजाब में आवारा पशुओं की समस्या से निपटने के लिए एक व्यापक रणनीति तैयार करने हेतु विभिन्न विभागों और विशेषज्ञों से सलाह-मशविरा करेगी।

कैबिनेट मंत्री ने सदन को अवगत कराया कि स्थानीय निकाय विभाग इस दिशा में प्रभावी कार्य योजना तैयार करने हेतु सभी संबंधित विभागों और हितधारकों के बीच समन्वय स्थापित करने के प्रयासों का नेतृत्व करेगा। उन्होंने इस मुद्दे को हल करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पहले ही पशुओं के प्रति क्रूरता की रोकथाम अधिनियम में संशोधन संबंधी विधेयक पर चर्चा के दौरान इस विषय पर त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दे चुके हैं।

डॉ. रवजोत सिंह ने बताया कि विभाग पहले ही ₹पंजाब मुआवजा टू विक्टिम्स ऑफ एनिमल अटैक ऐंड एक्सीडेंट पॉलिसी, 2023₹ लागू किया हुआ है, जिसके तहत आवारा पशुओं के हमले के कारण मृत्यु या स्थायी अपंगता का शिकार होने वाले लोगों के परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। यह मुआवजा संबंधित जिले के डिप्टी कमिश्नर की अध्यक्षता वाली कमेटी द्वारा वितरित किया जाता है।

मुद्दे की गंभीरता को स्वीकार करते हुए कैबिनेट मंत्री ने बताया कि आवारा पशुओं की संख्या में काफी वृद्धि हुई है, जिसके कारण अक्सर सड़क दुर्घटनाएं होती हैं और आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि 20वीं पशुगणना (जब तक 21वीं जनगणना के आंकड़े नहीं आ जाते) के अनुसार राज्य में 1.4 लाख आवारा पशु हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में 2 लाख से अधिक आवारा पशु राज्य की 518 पंजीकृत गौशालाओं में रखे गए हैं। साथ ही, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित 20 सरकारी पशु आश्रयों में 77 पशु शेड बनाए गए हैं। इसके अतिरिक्त, शहरी स्थानीय संस्थाओं द्वारा 10 अतिरिक्त गौशालाएं अपने स्तर पर संचालित की जा रही हैं।

डॉ. रवजोत सिंह ने कहा कि शहरी स्थानीय निकाय नियमित रूप से अपने क्षेत्र में घूमने वाले आवारा पशुओं को सुरक्षित तरीके से सरकारी या निजी गौशालाओं में छोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि गौ टैक्स फंड और शहरी निकायों यू एल बी के संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर इन गौशालाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने आगे कहा कि यू एल बी को आवारा पशुओं की आबादी को नियंत्रित करने के लिए विशेष कदम उठाने हेतु निरंतर निर्देश जारी किए जा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री ने अंत में कहा कि आवारा पशुओं की समस्या के स्थायी समाधान को सुनिश्चित करने के लिए सरकार बहु-पक्षीय दृष्टिकोण अपनाकर विशेषज्ञों, पशु कल्याण संगठनों और प्रशासनिक विभागों के साथ समन्वय से कार्य कर रही है।

पंजाब विधानसभा द्वारा महान पंजाबी सिख धावक फौजा सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के संसदीय कार्य मंत्री डॉ. रवजोत सिंह द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव पर पंजाब विधानसभा ने प्रसिद्ध पंजाबी सिख धावक फौजा सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

डॉ. रवजोत सिंह ने एक सड़क दुर्घटना में 114 वर्षीय फौजा सिंह के आकस्मिक निधन पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि फौजा सिंह दुनिया के सबसे बुजुर्ग धावक थे, जिन्होंने मैराथन दौड़ों के जरिए पूरी दुनिया में सिख कौम का नाम रोशन किया।

मंत्री ने कहा कि फौजा सिंह जी हमेशा हमारे स्मृतियों में जीवित रहेंगे। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें और परिजनों को इस वियोग को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

गौरतलब है कि कल एक सड़क हादसे में श्री फौजा सिंह का निधन हो गया। वह अपने घर के बाहर सैर कर रहे थे, जब एक कार ने उन्हें टक्कर मार दी।

पिछली सरकारों ने पंजाब में नशा फैलाया और नशा तस्करों को दी सरपरस्ती: सौंद

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के ग्रामीण विकास और पंचायत मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान नशों के खिलाफ बहस में हिस्सा लेते हुए पिछली सरकारों को पंजाब में नशा फैलाने के लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि नशा तस्करों को सरंक्षण देकर अकाली-भाजपा और कांग्रेस सरकारों ने प्रदेश की युवा पीढ़ी को नशे की लत में धकेला।

तरुनप्रीत सिंह सौंद ने पंजाब विधानसभा में उन अखबारी खबरों को भी पढ़कर सुनाया जिनमें खन्ना में अवैध शराब फैक्ट्री और पायल हलके के ड्रग डीलर गुरदीप राणू की गिरफ्तारी का विस्तृत ज़िक्र किया गया था। उन्होंने कहा कि ये दोनों मामले इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं कि अकाली-भाजपा और कांग्रेस सरकारों ने अपने-अपने कार्यकाल के दौरान नशा तस्करों को सुरक्षा दी और पंजाब में नशा फैलाया।

उन्होंने कहा कि 2007 से पहले पंजाब में सिंथेटिक ड्रग्स का नाम भी नहीं सुना गया था, लेकिन इसके बाद तेजी से चिट्टे जैसे नशों ने पंजाब की युवा पीढ़ी को बर्बाद कर दिया। उन्होंने कहा कि एक पूर्व मुख्यमंत्री ने तो नशा खत्म करने की झूठी कसम भी खाई थी, लेकिन इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में शुरू की गई 'युद्ध नशों विरूद्ध' मुहिम पंजाब की युवा पीढ़ी को नशे की दलदल से बाहर निकालने में अहम भूमिका निभा रही है और इस मुहिम ने नशा तस्करों की कमर तोड़ दी है। उन्होंने कहा कि अब नशा तस्कर पंजाब छोड़कर भाग रहे हैं। सौंद ने कहा कि 'युद्ध नशों विरूद्ध' मुहिम के तहत करीब 7000 गांवों में कैंप लगाकर नशा छोड़ने की शपथ दिलवाई गई और 4500 से अधिक गांव खुद को नशा मुक्त घोषित कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि अब शहरों के वार्डों में भी नशों के खिलाफ जागरूकता कैंप लगाए जाएंगे।

सौंद ने कहा कि पंजाब की युवा पीढ़ी को नशों से बचाने के लिए अगले 6 महीनों में 3000 से ज्यादा खेल मैदान जनता को समर्पित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब के सभी 117 विधानसभा क्षेत्रों में मॉडल खेल मैदान होंगे ताकि युवा वहां खेल सकें और आम लोग सुबह-शाम टहलने जा सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश को 'रंगला पंजाब' बनाने के लिए मान सरकार के सभी विधायक, मंत्री और वालंटियर दिन-रात मेहनत कर रहे हैं और वह दिन दूर नहीं जब पंजाब पूरी तरह से नशा मुक्त होगा।

निश्चित कर हत्याएं करने की साजिश रचने वाले भगवानपुरिया गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार; दो पिस्तौल बरामद

संवाददाता
चंडीगढ़/बटाला

भगवानपुरिया अपनी मां की हत्या का बदला लेने के लिए टारगेट किलिंग को अंजाम देने की रच रहा था साजिश

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चल रही मुहिम के दौरान एक महत्वपूर्ण सफलता में, पंजाब पुलिस ने अमेरिका आधारित हुसनदीप सिंह द्वारा चलाए जा रहे जग्गू भगवानपुरिया गैंग से जुड़े पांच कार्यकताओं को गिरफ्तार कर झूठी पहचान बनाकर हत्याएं करने की साजिश को नाकाम कर दिया है और उनके कब्जे से पी एक्स 5 पिस्तौल और .32 बोर पिस्तौल समेत दो हथियार बरामद किए हैं। यह जानकारी आज यहां पुलिस महानिदेशक (डी जी पी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

उल्लेखनीय है कि खुफिया जानकारी पर आधारित यह कार्रवाई काउंटर इंटेलिजेंस पंजाब और अमृतसर ग्रामीण व ज़िला बटाला पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से की गई थी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान लवप्रीत सिंह, सिकंदर कुमार उर्फ गोला और ओंकारप्रीत उर्फ जशन, तीनों निवासी गांव शाहबाद, बटाला; गगनदीप उर्फ ज्ञानी, निवासी गांधी कैंप, बटाला; और महिकप्रीत सिंह, निवासी अमृतसर के रूप में हुई है।

डी जी पी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि कैदी गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया, जो इस समय सिलचर जेल (असम) में बंद है, ने हाल ही में अपनी मां की हत्या का बदला लेने के लिए एक कथित विरोधी गैंग सदस्य की टारगेट किलिंग को अंजाम देने की साजिश रची थी।

डी जी पी ने कहा कि जग्गू भगवानपुरिया अपने अमेरिका आधारित साथी हुसनदीप सिंह के माध्यम से इस टारगेट किलिंग को अंजाम देने की साजिश रच रहा था, जिसके तहत उसने लवप्रीत सिंह समेत ग्राउंड हैंडलरों और निशानेबाजों से तालमेल किया। उन्होंने आगे कहा कि इस मामले में आगे-पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए अगली जांच जारी है।

उल्लेखनीय है कि इस कार्रवाई में पहली सफलता तब मिली जब वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अमृतसर ग्रामीण मनिंदर सिंह के नेतृत्व में अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने एक व्यक्ति, जिसकी पहचान महिकप्रीत सिंह के रूप में हुई, को गिरफ्तार किया। पूछताछ उपरांत उसने खुलासा किया कि सिकंदर कुमार उर्फ गोला को निशानेबाजों और हत्या की योजना के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी है।

गांव टिवाणा के पास घग्गर को चौड़ा करने और बांध को मिट्टी डालकर मजबूत करने का प्रस्ताव विचाराधीन: गोयल

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के जल संसाधन मंत्री श्री बरिंदर कुमार गोयल ने एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का उत्तर देते हुए बताया कि डेरा बस्सी क्षेत्र के गांव टिवाणा के पास घग्गर को चौड़ा करने और इसके बांध को मिट्टी डालकर मजबूत करने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है।

डेरा बस्सी विधानसभा क्षेत्र से विधायक स. कुलजीत सिंह रंधावा द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत किए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का उत्तर देते हुए जल संसाधन मंत्री ने बताया कि वर्ष 2023 में हुई भारी बारिश के कारण गांव टिवाणा के पास घग्गर नदी में जल स्तर बहुत अधिक बढ़ गया था, जिससे नदी के बाएं किनारे पर स्थित कृषि योग्य भूमि में पानी भर गया था और कटाव के कारण भूमि का स्तर लगभग 8 से 10 फुट तक नीचे चला गया था। इसके उपरांत विभाग द्वारा कृषि योग्य भूमि को कटाव से बचाने के लिए 2500 फुट लंबाई में पत्थरों की रिवेटमेंट और स्टड्स लगाए गए थे। इस रिवेटमेंट को समर्थन देने के लिए उसके पीछे मिट्टी भरकर बांध बनाया गया था। उन्होंने बताया कि इस कार्य के लिए विभाग द्वारा 5.06 करोड़ रुपये की लागत व्यय की गई थी। श्री गोयल ने बताया कि 29 जून, 2025 को घग्गर के कैचमैंट क्षेत्र में भारी वर्षा होने के कारण घग्गर नदी में जल स्तर अचानक बढ़ गया था, लेकिन पत्थरों की रिवेटमेंट पूरी तरह सुरक्षित है। हालांकि, रिवेटमेंट के पीछे डाली गई मिट्टी से बने बांध में कुछ स्थानों पर कटाव आ गया था। विभाग द्वारा तत्काल प्रभाव से कार्रवाई करते हुए बांध की मरम्मत करवा दी गई है। यह मरम्मत कार्य विभाग द्वारा अपने स्तर पर ही पूर्ण कराया गया है। उन्होंने बताया कि 8 जुलाई, 2025 को घग्गर में दोबारा काफी पानी आया था, लेकिन इस बांध को कोई नुकसान नहीं पहुंचा और पानी आगे निकल गया।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि घग्गर नदी के दाहिने किनारे पर स्थित गांव टिवाणा में घग्गर को चौड़ा करने और निकली मिट्टी को बाएं किनारे पर डालकर किनारे को चौड़ा व मजबूत करने का प्रस्ताव भी विचाराधीन है। उन्होंने बताया कि प्रस्ताव के अनुसार यह कार्य विभाग द्वारा लगभग 11 लाख रुपये की लागत से तत्काल प्रभाव से कराया जाएगा।

संक्षिप्त-समाचार

पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां द्वारा मैराथन धावक फौजा सिंह के निधन पर शोक व्यक्त

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा के स्पीकर स कुलतार सिंह संधवां ने विश्वप्रसिद्ध मैराथन धावक फौजा सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि फौजा सिंह का जन्म जिला जालंधर के गांव ब्यास में हुआ था। वे दुनिया के पहले ऐसे मैराथन धावक बने जिन्होंने 100 वर्ष की आयु में टोरंटो मैराथन को 8 घंटे, 11 मिनट और 6 सेकंड में पूरा किया। विधानसभा स्पीकर ने कहा कि फौजा सिंह सदैव हमारी युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्त्रोत बने रहेंगे। हमें उनके साहसिक और जोशीले जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए, ताकि हम नई ऊँचाइयों को प्राप्त कर सकें। स संधवां ने कहा कि उनके निधन का समाचार सुनकर उन्हें अत्यंत दुख पहुंचा है। वे वाहेगुरु से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिवार को यह अपूरणीय क्षति सहन करने की शक्ति दें।

विश्व पेपर बैग दिवस पर एमसी चंडीगढ़ ने शहरभर में आयोजित की पेपर बैग निर्माण कार्यशाला श्रृंखला

चंडीगढ़। प्लास्टिक मुक्त चंडीगढ़ अभियान के अंतर्गत, नगर निगम चंडीगढ़ ने विश्व पेपर बैग दिवस के उपलक्ष्य में शहर के विभिन्न सरकारी स्कूलों में पाँच दिवसीय पेपर बैग निर्माण कार्यशालाओं का सफल आयोजन किया। यह पहल प्रसंचेतस फाउंडेशन के सहयोग से की गई, जिसका उद्देश्य छात्रों को पर्यावरण संरक्षक के रूप में सशक्त बनाना और उन्हें सतत जीवनशैली की ओर प्रेरित करना था। 10 से 15 जुलाई तक आयोजित इस श्रृंखला में, सैकड़ों छात्रों ने पुराने समाचार पत्रों और बेकार कागज से उपयोगी पेपर बैग बनाना सीखा, जिससे कम करो, पुनः उपयोग करो, पुनर्चक्रण करो (फ्रफ्रफ्र) की भावना को बल मिला। कार्यशालाएं निम्नलिखित स्कूलों में आयोजित की गईं: 10 जुलाई- गवर्नमेंट मॉडल हाई स्कूल, सेक्टर 38। 11 जुलाई- जीएमएसएसएस, सेक्टर 38 वेस्ट एवं जीएमएस, बुरैल। 14 जुलाई - जीएमएसएसएस, सेक्टर 39 और 15 जुलाई झ जीएमएचएस, आरसी1, चंडीगढ़ प्रत्येक सत्र में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों को प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए और उन्हें अपने समुदायों में ह्यस्वच्छता चैंपियनह्न बनने के लिए प्रेरित किया गया। इस पहल पर बोलते हुए नगर निगम आयुक्त श्री अमित कुमार, आईएएस ने कहा कि ये कार्यशालाएं न केवल बच्चों की रचनात्मकता को विकसित करती हैं, बल्कि उन्हें प्लास्टिक के दुष्प्रभाव और कपड़ा, जूट या कागज के बैग जैसे वैकल्पिक विकल्पों को अपनाने के महत्व के प्रति जागरूक भी करती हैं। नगर निगम चंडीगढ़ ने इस पहल के माध्यम से एक बार फिर यह संकल्प दोहराया कि वह युवाओं की भागीदारी से एक प्लास्टिक मुक्त और पर्यावरण के प्रति जागरूक चंडीगढ़ का निर्माण करेगा।

पेक के डॉ हरअमृत सिंह संधू को एएससीई के अंतर्राष्ट्रीय विशिष्ट सेवा मैडल से किया गया सम्मानित

चंडीगढ़। सिविल इंजीनियरों की वैश्विक संस्था दी अमेरिकन सोसाइटी ऑफ सिविल इंजीनियरस (एएससीई) ने अपने प्रतिष्ठित विशिष्ट सेवा मैडल झ रीजन 10 के विजेताओं की घोषणा कर दी है। यह सम्मान उन प्रोफेशनल्स को दिया जाता है, जो सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाएं देते हैं, और रीजन 10 में विश्वभर के लगभग 170 देशों के सदस्य शामिल हैं। इस साल भारत के लिए यह एक गर्व का क्षण है, क्योंकि पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज (पेक), चंडीगढ़ के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के फैकल्टी सदस्य और एएससीई इंडिया सेक्शन के मौजूदा अध्यक्ष डॉ. हर अमृत सिंह संधू को यह सम्मान प्रदान किया गया है। डॉ. संधू को यह पुरस्कार एएससीई के मिशन को आगे बढ़ाने, सिविल इंजीनियरिंग प्रोफेशन को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने और युवाओं को इस क्षेत्र से जोड़ने के लिए दिए गए उनके विशिष्ट योगदान के लिए मिला है। उन्होंने 2014 में एएससीई पेक चंडीगढ़ स्टूडेंट चैप्टर की नींव रखी थी और 2016 व 2020 में एएससीई आउटस्टैंडिंग फैकल्टी एडवाइजर अवार्ड भी प्राप्त किए। उनके नेतृत्व में चंडीगढ़ में सस्टेनेबिलिटी पर आधारित अंतरराष्ट्रीय एएससीई सम्मेलन का सफल आयोजन हुआ, जिसने वैश्विक स्तर पर पेक की पहचान को मजबूत किया।

वीवो एक्स फोल्ड5 भारत में हुआ लॉन्च

चंडीगढ़। वीवो ने अपना अब तक का सबसे उन्नत फोल्डेबल स्मार्टफोन वीवो एक्स फोल्ड5 लॉन्च किया। यह डिवाइस फ्लैगशिप परफॉर्मेंस, प्रीमियम कारीगरी और एआई-संचालित उत्पादकता का संगम है, जो फोल्डेबल स्मार्टफोन्स को एक नई परिभाषा देता है। सिर्फ 217 ग्राम वजन वाला एक्स फोल्ड5 पारंपरिक फ्लैगशिप डिवाइसेज से हल्का है। 4500 निट्स की पीक ब्राइटनेस के साथ यह भारत की सबसे ब्राइट डिस्प्ले वाला फोल्ड है। 6000 एमएएच बैटरी से पावर्ड जो कि भारत में किसी भी फोल्ड की सबसे बड़ी बैटरी है और 80 वॉट डुअल-सेल वायर्ड फ्लैशचार्ज व 40 वॉट वायरलेस फास्ट चार्जिंग के साथ, यह डिवाइस सबसे व्यस्त दिनों के दौरान भी आपका साथ निभाता है। 0.43 सेमी का अल्ट्रा-स्लिम फोल्डेड प्रोफाइल और एयरोस्पेस-ग्रेड मटेरियल इसे स्मूद और लंबे समय तक टिकाऊ बनाते हैं। पावर यूजर्स के लिए डिजाइन किया गया, एक्स फोल्ड5 एआई-संचालित प्रोडक्टिविटी टूल्स के साथ आता है जो मल्टीटास्किंग, कम्युनिकेशन और कंटेंट क्रिएशन को पहले से अधिक आसान बनाते हैं। वीवो एक्स फोल्ड5 के लॉन्च पर, वीवो इंडिया के प्रोडक्ट मैनेजमेंट प्रमुख विकास टैगरा ने कहा कि एक्स फोल्ड5 के साथ, हम केवल एक फोल्डेबल लॉन्च नहीं कर रहे हैं, हम यह दिखा रहे हैं कि हाई-परफॉर्मेंस प्रोफेशनल्स के लिए टेक्नोलॉजी का अनुभव कैसा होना चाहिए। यह डिवाइस अत्याधुनिक इंजीनियरिंग और व्यवहारिक जरूरतों का अनूठा मेल है कृ जिसमें शानदार डिस्प्ले क्लैरिटी, इंडस्ट्री में अग्रणी बैटरी परफॉर्मेंस और एआई-संचालित प्रोडक्टिविटी फीचर्स को एक स्लिक और हल्के डिजाइन में समेटा गया है। यह स्मार्टफोन प्रोफेशनल्स, क्रिएटर्स और एंटरप्रेन्योर्स की जीवनशैली और महत्वाकांक्षाओं को सपोर्ट करने के लिए तैयार है।

चंडीगढ़ में नुक्कड़ नाटक ने सुरक्षित और कानूनी विदेशी रोजगार का संदेश फैलाया

उत्प्रवासी संरक्षी कार्यालय और सीबीसी चंडीगढ़ ने धोखाधड़ी वाले प्रवासन पर अंकुश लगाने के लिए नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया

संवाददाता
चंडीगढ़

केंद्रीय संचार ब्यूरो, चंडीगढ़, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने उत्प्रवासी संरक्षी कार्यालय (पीओई), चंडीगढ़, विदेश मंत्रालय के सहयोग से आज दोपहर पासपोर्ट सेवा केंद्र, औद्योगिक क्षेत्र, फेज 2, चंडीगढ़ के पास एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया।

सुरक्षित रहें, प्रशिक्षित रहें विषय पर आधारित इस नुक्कड़ नाटक का उद्देश्य पासपोर्ट आवेदकों और पासपोर्ट धारकों के बीच विदेश में रोजगार के सुरक्षित और कानूनी तरीकों, विदेश मंत्रालय के प्रमुख ई-माइग्रेट पोर्टल की उपयोगिता, और विदेश में रोजगार, वर्क वीजा और वर्क परमिट चाहने वालों के लिए क्या करें और क्या न करें, के बारे में जागरूकता पैदा करना था। संदेश को और पुष्ट करने के लिए एकत्रित दर्शकों को लगभग 100-150 जागरूकता पर्चे वितरित किए गए।

आने वाले महीनों में केन्द्रीय संचार ब्यूरो के सहयोग से पूरे क्षेत्र में ऐसे और नाटक आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक दर्शकों तक पहुंचा जा सके और इस महत्वपूर्ण विषय पर जागरूकता फैलाई जा सके।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जनता के साथ निम्नलिखित मुख्य संदेश साझा किए गए:

केवल पंजीकृत भर्ती एजेंट ही चुनें: नकली या अपंजीकृत एजेंटों से बचें और सोशल मीडिया विज्ञापनों या सफलता की कहानियों पर भरोसा न करें। हमेशा एक पंजीकृत भर्ती एजेंट चुनें और पर उनके लाइसेंस की पुष्टि करें। वीजा आवश्यकताओं की स्वयं जाँच करें: वीजा संबंधी औपचारिकताओं की जाँच हमेशा दूतावास की आधिकारिक वेबसाइटों पर करें। एजेंटों पर आँख मूँदकर भरोसा करने के बजाय प्रक्रिया को समझें। भुगतान सुरक्षित रूप से करें: हमेशा एजेंट की आधिकारिक कंपनी या फर्म के खाते में ही ऑनलाइन ट्रांसफर या बैंक जमा के माध्यम से भुगतान करें। नकद भुगतान से बचें और हमेशा आधिकारिक रसीद लें। आगंतुक वीजा के दुरुपयोग से बचें: आगंतुक वीजा पर विदेश में काम करने के लिए गुमराह न हों, क्योंकि यह अवैध है और निर्वासन का कारण बन सकता है। धोखाधड़ी की रिपोर्ट करें: यदि कोई पंजीकृत या अपंजीकृत एजेंसी आपसे कार्य वीजा, कार्य परमिट या विदेश में नौकरी का वादा करती है और नकदी की मांग करती है, तो इसकी तुरंत ६६६ॅ्रे१ंॅ३ी.ॅङ्म५.्रल्ल पर रिपोर्ट करें या 24७7 टोल फ्री नंबर 1800 11 3090 पर कॉल करें। चंडीगढ़ के सेक्टर 34ए स्थित प्रोटेक्टोरेट ऑफ इमिग्रेंट्स में व्यक्तिगत रूप से भी शिकायत दर्ज की जा सकती है। अपडेट रहें: विदेश स्थित भारतीय मिशनों द्वारा जारी परामर्श के लिए नियमित रूप से ६६६ॅ्रे१ंॅ३ी.ॅङ्म५.्रल्ल पर जाएं तथा समय पर अपडेट के लिए पीबीएसके व्हाट्सएप चैनल को सब्सक्राइब करें। उत्प्रवासी संरक्षी विभाग ने दोहराया है कि विदेश मंत्रालय द्वारा जारी वैध लाइसेंस के बिना किसी भी एजेंट या एजेंसी को भारतीय नागरिकों को विदेश में रोजगार के लिए भर्ती करने या किसी भी विदेशी देश के लिए विदेशी नौकरियों, कार्य वीजा, कार्य परमिट या रोजगार वीजा का विज्ञापन करने का अधिकार नहीं है। बिना लाइसेंस के ऐसी गतिविधियाँ उत्प्रवास अधिनियम, 1983 का उल्लंघन हैं और एक दंडनीय अपराध हैं।

जमीनी स्तर पर जागरूकता प्रयासों के अलावा, उत्प्रवासी संरक्षी कार्यालय, चंडीगढ़ के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल: ट्विटर: और इंस्टाग्राम: के माध्यम से इच्छुक प्रवासियों, विशेष रूप से युवाओं को सूचित करने के लिए एक डिजिटल अभियान भी चल रहा है। इन पहलों का उद्देश्य क्षेत्र के नागरिकों के लिए सुरक्षित, कानूनी और सूचित विदेशी गतिशीलता को बढ़ावा देना है।

न्यूयॉर्क और पांच उपनगरों में तूफान से तबाही, न्यू जर्सी में आपातकाल

सब-वे और राजमार्गों पर भरा पानी, बाढ़ का पानी मेट्रो ट्रेन के डिब्बों में घुस गया

एजेंसी (हि.स.)
न्यूयॉर्क

संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यूयॉर्क और पांच उपनगरों में तूफान से भारी तबाही हुई है। सब-वे और राजमार्गों पर पानी भर गया है। प्रशासन ने भारी बारिश की सभी पांच उपनगरों में बाढ़ की चेतावनी जारी की। न्यू जर्सी के गवर्नर फिलिप डी. मर्फी ने हालात के मद्देनजर आपातकाल की घोषणा की।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, सोमवार रात न्यूयॉर्क शहर और उसके उपनगरों में भारी बारिश हुई है। इससे मेट्रो सिस्टम के कुछ हिस्सों में पानी भर गया। प्रमुख सड़कें जलमग्न हो गईं। इसका असर विमानों के आगमन और प्रस्थान पर भी पड़ा। धीमी गति के इस तूफान ने मध्य-अटलांटिक के बड़े हिस्से को पानी-पानी कर दिया। इस वजह से मध्य वर्जीनिया से न्यूयॉर्क शहर तक

प्रशासन ने भारी बारिश की सभी पांच उपनगरों में बाढ़ की चेतावनी जारी की

फोटोः हि.स.

अचानक बाढ़ आ गई। बाढ़ का पानी मेट्रो ट्रेन के डिब्बों में घुस गया। इस दौरान वाहन जलमग्न हो गए। बाढ़ के पानी ने एक पेट्रोल पंप के ईंधन पंपों को तहस-नहस कर दिया।

मौसम विज्ञानी जो वेगमैन ने बताया कि कुछ इलाकों में सात इंच तक बारिश हुई। सोमवार देर रात तूफान कमजोर पड़ गया। सोमवार रात राष्ट्रीय मौसम सेवा ने न्यूयॉर्क के सभी पांच उपनगरों में बाढ़ की चेतावनी जारी की। आपातकालीन प्रबंधन विभाग ने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को ऊंचे स्थानों पर जाने के लिए आगाह किया। न्यूयॉर्क शहर के आपातकालीन प्रबंधन विभाग के अनुसार, क्वींस के रिचमंड हिल इलाके में बिजली गुल होने से लगभग 1,000 लोग प्रभावित हुए। मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्टेशन अथॉरिटी ने रात लगभग 11 बजे से पहले बताया कि मैनहट्टन में कई सब-वे स्टेशनों में पानी भर जाने के कारण निलंबित की गई 1, 2 और 3 सब-वे लाइनों पर सेवा बहाल कर दी गई है। एमटीए ने बताया कि स्टेटन आइलैंड रेलवे ने भी दोनों दिशाओं में परिचालन फिर से शुरू कर दिया है। इस दौरान एमटीए ने ग्रैंड सेंट्रल स्टेशन से आने-जाने वाली हार्लेम और न्यू हेवन रेल लाइनों पर देरी और संभावित निलंबन की चेतावनी दी। न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी के बीच एनजे ट्रांजिट के कई बस मार्गों को परिवर्तित कर दिया गया है। एनजे ट्रांजिट के अनुसार, न्यूयॉर्क के पेन स्टेशन और न्यू जर्सी के ट्रेंटन के बीच रेल सेवा अब निर्धारित समय पर चल रही है। उधर, न्यू जर्सी के गवर्नर फिलिप डी. मर्फी ने राज्य के कुछ हिस्सों में भारी बारिश और बाढ़ के बीच आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी है। मौसम सेवा ने मध्य न्यू जर्सी और दक्षिण-पूर्वी पेन्सिलवेनिया के कुछ हिस्सों में मंगलवार सुबह तक बाढ़ आने की चेतावनी जारी की। मिडलसेक्स काउंटी के प्लेनफील्ड के मेयर ने कहा कि शहर का रेलवे स्टेशन जलमग्न हो गया है। न्यूयॉर्क की सीमा से लगे उत्तर-पूर्वी बर्गेन काउंटी में सैडल नदी उफान पर है। आपातकालीन प्रबंधन टीम के समन्वयक फिलिप कॉल्विन ने बताया पेंसिल्वेनिया के लैंकेस्टर काउंटी के माउंट जॉय में पांच घंटे से भी कम समय में सात इंच से ज्यादा बारिश हुई। न्यूयॉर्क राज्य पुलिस ने बताया कि टैकोनिक स्टेट पार्क-वे में बाढ़ के कारण सभी रास्ते बंद करने पड़े। स्प्रैन ब्रुक पार्क-वे भी बाढ़ के कारण माउंट प्लेजेंट में दोनों दिशाओं में बंद कर दिया गया है।

विश्व के उम्रदराज एथलीट फौजा सिंह का 114 वर्ष की आयु में सड़क हादसे में निधन

100 साल की उम्र में आठ रिकॉर्ड बनाए

एजेंसी (हि.स.)
चंडीगढ़

विश्व के उम्रदराज एथलीट फौजा सिंह नहीं रहे। सड़क हादसे में घायल सिंह ने बीती रात पंजाब के जालंधर में निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया। वो 114 वर्ष के थे। परिजनों के अनुसार मंगलवार को फौजा सिंह के पैतृक गांव में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। सिंह कुछ वर्षों से जालंधर के निकट ब्यास पिंड में अपने बेटे के साथ रह रहे थे।

फौजा सिंह को टर्बन टॉरनेडो के नाम से जाना जाता था। परिवार के सदस्यों ने पुलिस को दी गई शिकायत में कहा कि सोमवार शाम फौजा सिंह खाना खाने के बाद घर के बाहर टहल रहे थे। तभी एक गाड़ी ने उन्हें टक्कर मार दी। इससे वह घायल होकर गिर गए।

परिजनों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया जहां बीती रात उनका निधन हो गया। आदमपुर थाना प्रभारी हरदेव सिंह के अनुसार फौजा सिंह के बेटे की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। अभी तक हादसे को अंजाम देने वाली गाड़ी के बारे में पता नहीं चल सका है।

कौन थे फौजा सिंह

फोटोः हि.स.

फौजा सिंह का जन्म 01 अप्रैल, 1911 को पंजाब के जालंधर जिले के ब्यास पिंड में हुआ था। फौजा सिंह उस समय चर्चा में आए जब 90 वर्ष की उम्र में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मैराथन में दौड़ना शुरू किया। कड़ी मेहनत के दम पर उन्होंने टर्बन टॉरनेडो का टैग हासिल किया। वर्ष 2004 में उन्होंने 93 साल की उम्र में लंदन में मैराथन पूरी की। 2011 में 100 साल की उम्र में उन्होंने टोरंटो में मैराथन पूरी की। फौजा सिंह को अब तक विश्व का सबसे उम्रदराज मैराथन धावक माना जाता था। वर्ष 1990 में विदेश में शिफ्ट हुए फौजा सिंह के पास इंग्लैंड की नागरिकता थी। उन्होंने 100 साल की उम्र में कुल आठ रिकॉर्ड बनाए और वर्ष 2013 में 102 वें जन्मदिन के अवसर पर प्रतिस्पर्धात्मक दौड़ से संन्यास लेने का ऐलान किया था।

यूक्रेन की अगली प्रधानमंत्री होंगी यूलिया स्विरीडेन्को

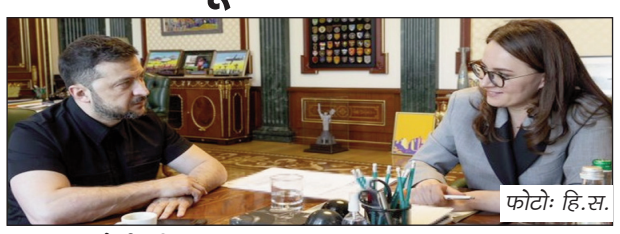
फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
कीव

यूक्रेन की अगली प्रधानमंत्री यूलिया अनातोलीवना स्विरीडेन्को होंगी। सोवियत संघ के चेर्निगोव में 25 दिसंबर, 1985 को जन्मीं यूलिया इस समय यूक्रेन की उप प्रधानमंत्री (प्रथम) हैं। वो मौजूदा प्रधानमंत्री डेनिस श्म्यहाल का स्थान लेंगी। उनके जन्मस्थान का नाम बदलकर चेर्निहीव हो चुका है। चेर्निहीव अब यूक्रेन में है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने उनकी नई जिम्मेदारी तय की है। जेलेंस्की ने एक्स पोस्ट में लिखा, " मैंने प्रस्ताव दिया है कि यूलिया स्विरीडेंको यूक्रेन सरकार का नेतृत्व करें। वह प्रधानमंत्री कार्यालय के कामकाज में महत्वपूर्ण बदलाव लाएं। मैं निकट भविष्य में नई सरकार की कार्ययोजना के प्रस्तुतीकरण की प्रतीक्षा कर रहा हूं।" जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने यूलिया स्विरीडेंको के साथ बैठक की। हम दोनों ने यूक्रेन को समर्थन देने के संबंध में यूरोपीय और अमेरिकी साझेदारों के साथ हुए समझौतों के कार्यान्वयन पर रिपोर्ट पर चर्चा की। हम दोनों ने यूक्रेन की आर्थिक क्षमता बढ़ाने, यूक्रेनवासियों के लिए सहायता कार्यक्रमों का विस्तार करने और घरेलू हथियारों के उत्पादन को बढ़ाने के ठोस उपायों पर भी चर्चा की।

कोरोना में बंद 13 ट्रेनों का संचालन आज से फिर शुरू होगा

रायपुर। कोरोना काल के दौरान छत्तीसगढ़ में बंद की गई 13 से अधिक लोकल ट्रेनों का संचालन आज से शुरू हो जाएगा। रेलवे बोर्ड से अनुमति मिलने के बाद इन्हें दोबारा शुरू करने का फैसला दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर) ने लिया है। इन सभी ट्रेनों का संचालन आज से शुरू हो जाएगा। ये ट्रेनें पुराने निर्धारित समय में चलेंगी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा इन ट्रेनों को चरणबद्ध तरीके से फिर से शुरू करने का निर्णय लिया गया है। इससे दुर्ग, राजनांदगांव, गोंदिया, कटंगी, रायपुर, डोंगरगढ़ और बालाघाट जैसे छोटे-बड़े स्टेशनों पर यात्रा करने वालों को राहत मिलेगी। राजनांदगाव के सांसद संतोष पांडेय ने बताया कि उन्होंने इस विषय को लेकर केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से कई बार चर्चा की और जून की मंडल स्तरीय बैठक में भी इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था। रेलवे प्रशासन के अनुसार, 15 जुलाई से गोंदिया-कटंगी, रायपुर-डोंगरगढ़, रायपुर-गेवरा रोड, तूमसर रोड-बालाघाट समेत 13 मेमू और डेमू लोकल ट्रेनों का संचालन शुरू किया जाएगा। 17 जुलाई तक सभी रूट पूरी तरह से बहाल कर दिए जाएंगे।

हैदराबाद में अज्ञात लोगों ने की भाकपा नेता की गोली मारकर हत्या

वारदात को कम से कम तीन-चार लोगों ने अंजाम दिया

एजेंसी (हि.स.)
हैदराबाद

तेलंगाना में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के एक नेता की मंगलवार सुबह यहां मलकपेट में अज्ञात लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) की राज्य परिषद सदस्य के. चंदू नाइक (47) सुबह की सैर पर निकले थे, तभी एक पार्क के पास कार सवार हमलावरों ने उन पर गोलियां चलाईं, जिससे भाकपा नेता की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर फरार हो गए। अधिकारी ने बताया कि पुलिस की

फोटोः हि.स.

एक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण पूर्व क्षेत्र) एस चैतन्य कुमार ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। कुमार ने प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए कहा कि इस वारदात को कम से कम तीन-चार लोगों ने अंजाम दिया। कुमार ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल से इस्तेमाल किए हुए तीन कारतूस और बिना इस्तेमाल किए गए दो कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस उपायुक्त ने संवाददाताओं से कहा कि कारतूसों की बरामदगी के आधार पर ऐसा लगता है कि गोलीबारी में केवल एक ही हथियार का इस्तेमाल किया गया था। उन्होंने कहा कि वे संदिग्धों की पहचान के लिए क्षेत्र में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं। अधिकारी ने आगे बताया कि हत्या की वजह पुरानी रंजिश हो सकती है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच और हमलावरों को पकड़ने के लिए दस टीमें गठित की गई हैं। पुलिस ने कहा कि मृतक चंदू नाइक 2022 में एलबी नगर थाने में दर्ज हत्या के एक मामले में आरोपी था। उसने बताया कि नाइक ने अपनी जान को खतरे की कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई थी।

संक्षिप्त-समाचार

मप्र में 'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान के तहत पुलिस 30 तक करेगी आमजन को जागरुक

भोपाल। नशा कई जिंदगियों को बर्बाद करने का कारण बन रहा है। प्रदेश में आए कई मामलों को देखते हुए मंगलवार मध्य प्रदेश पुलिस नशामुक्त राज्य बनाने की दिशा में एक वृहद जन-जागरूकता अभियान नशे से दूरी झ है जरूरीश्की शुरूआत करने जा रही है। यह अभियान 30 जुलाई 2025 तक पूरे राज्य में संचालित किया जाएगा। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन में यह अभियान पुलिस मुख्यालय की नारकोटिक्स विंग द्वारा चलाया जाना है। इस संबंध में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (नारकोटिक्स) के. पी. वेंकटेश्वर राव का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य किशोरों और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना, उन्हें इस लत से दूर रखना और जो लोग पहले से नशे की गिरफ्त में हैं, उन्हें उचित परामर्श और सहयोग प्रदान कर पुनर्वास की दिशा में मार्गदर्शन देना है। उन्होंने बताया कि इस जन-जागरूकता अभियान में विभिन्न शासकीय विभाग, गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), धमार्चार्य, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि, और ग्राम एवं नगर सुरक्षा समितियां सक्रिय रूप से भाग लेंगी। समाज के सभी वर्गों के सहयोग से समाज के हर वर्ग तक संदेश पहुंचाया जाएगा कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, पूरे समाज को प्रभावित करता है इससे दूरी रखना नितांत आवश्यक है। यह अभियान स्कूलों, कॉलेजों, सार्वजनिक स्थलों और डिजिटल माध्यमों के जरिए जन-जागृति फैलाने का कार्य करेगा।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने सतत विकास लक्ष्यों की प्रगति पर जताई चिंता

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा है कि वैश्विक वकास से जुड़े केवल 35 प्रतिशत सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) ही तय समय तक हासिल होने की दिशा में हैं, जबकि शेष लक्ष्य या तो धीमी गति से आगे बढ़ रहे हैं या पीछे जा रहे हैं। उन्होंने इसे वैश्विक विकास का आपातकाल बताया। महासचिव एंतोनियो गुटेरेस ने न्यूयॉर्क में 'सतत विकास लक्ष्य रिपोर्ट 2025' जारी करते हुए संवाददाता सम्मेलन में उक्त बातें कहीं। उन्होंने बताया कि बीते दस वर्षों में शिक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल पहुंच और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। बाल विवाह में कमी आई है और महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। उन्होंने साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि 80 करोड़ से अधिक लोग अब भी अत्यधिक गरीबी में जीवन बिता रहे हैं। लगभग 18 प्रतिशत लक्ष्य पीछे की ओर जा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, ऋण संकट और संघर्षों ने विकास की गति को बाधित किया है। महासचिव ने गाजा, यूक्रेन, सूडान और पश्चिम एशिया में शांति की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। अर्थव्यवस्था और सामाजिक मामलों के अवर महासचिव ली जुनहुआ ने रिपोर्ट के आंकड़ों को प्रस्तुत करते हुए बताया कि 2010 के मुकाबले नए एचआईवी संक्रमण में 40 प्रतिशत की गिरावट आई है और 2000 से अब तक मलेरिया रोकथाम से 1.2 करोड़ जीवन बचाए गए हैं। 2015 से अब तक 11 करोड़ से अधिक बच्चों का स्कूलों में नामांकन हुआ है। उन्होंने बताया कि विश्व की 92 प्रतिशत आबादी को अब बिजली की पहुंच है और इंटरनेट उपयोग 70 प्रतिशत बढ़ चुका है। लेकिन जल, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाएं और महिलाओं की समान भागीदारी जैसे क्षेत्रों में अभी भी बड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं। रिपोर्ट में छह बदलावों को प्राथमिकता देने की बात कही गई है–खाद्य, ऊर्जा, डिजिटल पहुंच, शिक्षा, रोजगार और जलवायु।

अरुणाचल प्रदेश में 'इनर लाइन परमिट' के बिना रह रहे 39 लोगों को हिरासत में लिया गया

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश में वैध 'इनर लाइन परमिट' (आईएलपी) के बिना रहने या काम करने के आरोप में पुलिस ने कुल 39 लोगों को हिरासत में लिया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। 'इनर लाइन परमिट' (आईएलपी) एक विशेष दस्तावेज है जो अरुणाचल प्रदेश के मूल निवासी नहीं होने वाले भारतीय नागरिकों के लिए राज्य में प्रवेश करने के लिए आवश्यक है। नाहरलागुन-ईटानगर राजधानी क्षेत्र के पुलिस अधीक्षक (एसपी) न्येलम नेगा ने बताया कि इन लोगों को बांदेरदेवा, कार्सिंगसा, नाहरलागुन शहर और पापू हिल्स सहित क्षेत्रों में एक समन्वित आईएलपी प्रवर्तन अभियान के दौरान हिरासत में लिया गया। उन्होंने बताया कि बांदेरदेवा, नाहरलागुन और पापू हिल्स पुलिस थानों के पुलिसकर्मियों ने श्रमिक शिविरों, कार्यस्थलों और सड़क किनारे स्थित प्रतिष्ठानों पर अभियान चलाया। एसपी ने बताया कि सभी उल्लंघनकताओं को हिरासत में लिया गया और कानूनी कार्रवाई के लिए कार्यकारी मजिस्ट्रेट के पास भेज दिया गया। पुलिस निरीक्षक किपा हमाक और अन्य के नेतृत्व वाली टीम ने उन तीन व्यक्तियों के खिलाफ बांदरदेवा थाने में एक गैर-प्राथमिकी मामला दर्ज किया, जिनके पास वैध आईएलपी नहीं था। नाहरलागुन थाने के प्रभारी निरीक्षक कृष्णेंदु देव के नेतृत्व में एक टीम ने 30 लोगों को हिरासत में लिया और उनके खिलाफ गैर-प्राथमिकी मामले दर्ज किए, जबकि पापू हिल्स थाने में निरीक्षक तरुण माई के नेतृत्व वाली एक टीम ने छह लोगों को हिरासत में लिया। एसपी नेगा ने कहा कि सभी जांच शांतिपूर्ण और कानूनी प्रक्रिया के अनुसार की गईं। उन्होंने यह दोहराया कि गैर-निवासियों के लिए आईएलपी अनिवार्य है और नियोक्ताओं को इसका अनुपालन सुनिश्चित करना चाहिए।

34 भारतीय मछुआरों को बांग्लादेशी तटरक्षकों ने हिरासत में लिया

दक्षिण 24 परगना। बंगाल की खाड़ी में मछली पकड़ने के दौरान गलती से बांग्लादेशी सीमा में प्रवेश करने के बाद 34 भारतीय मछुआरों को बांग्लादेश कोस्ट गार्ड ने हिरासत में ले लिया है। रविवार रात करीब 2 बजे ट्रॉलर में सवार 34 भारतीय मछुआरों को बांग्लादेश तटरक्षकों ने हिरासत में ले लिया। यह घटना मोंगला बंदरगाह से करीब 77 नॉटिकल मील दूर समुद्र में हुई। मछुआरा संगठनों से मिली जानकारी के अनुसार, ये सभी मछुआरे पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के सुंदरबन क्षेत्र के निवासी हैं। रोजी-रोटी की तलाश में समुद्र में गए ये मछुआरे अंधेरा और खराब मौसम की वजह से रास्ता भटक गए और गलती से बांग्लादेश की समुद्री सीमा में प्रवेश कर गए। बांग्लादेशी तटरक्षकों ने मछुआरों के दोनों ट्रॉलरों और बाकी सामान भी जब्त कर लिए। फिलहाल दोनों ट्रॉलरों को मोंगला थाने को सौंप दिया गया है। मछुआरा संगठन के अधिकारी भारत सरकार से लगातार संपर्क में हैं ताकि इन मछुआरों को जल्द से जल्द रिहा करवाया जा सके।

ताइवान के वायु क्षेत्र में घुसे चीन के सैन्य विमान

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
ताइपे (ताइवान)

चीन अपनी विस्तारवादी नीति से बाज नहीं आ रहा। आज सुबह चीन के सैन्य विमानों ने ताइवान में घुसपैठ की। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में कहा कि मंगलवार सुबह 6 बजे (स्थानीय समय) तक ताइवान के आसपास 26 चीनी सैन्य विमानों, सात नौसैनिक जहाजों और एक आधिकारिक जहाज को सक्रिय होते देखा गया।

ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के अनुसार, चीन के 26 सैन्य विमानों में से 21 ने मध्य रेखा पार करके ताइवान के उत्तरी, दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी वायु रक्षा क्षेत्र में प्रवेश किया। ताइवान के सशस्त्र बलों ने माकूल जवाब देने के लिए अपने विमान, नौसैनिक जहाज और तटीय मिसाइल प्रणालियां तैनात कीं। एक अन्य एक्स पोस्ट में रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सशस्त्र बलों ने रात्रिकालीन रन-वे मरम्मत अभ्यास किया। साथ ही दूरस्थ द्वीपों पर सैनिकों ने आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता को बढ़ाने के लिए भोर में लाइव फायर अभ्यास किया।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले 12 जुलाई को भी चीन ने ताइवान में घुसपैठ की थी। तब ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि सुबह ताइवान के आसपास चीन के 14 सैन्य विमानों, नौ नौसैनिक जहाजों और एक आधिकारिक जहाज को देखा गया। मंत्रालय ने एक्स पोस्ट पर यह विवरण साझा करते हुए कहा था कि ताइवान के सशस्त्र बल स्थिति पर नजर रख रहे हैं। ताइपे टाइम्स अखबार की हालिया खबर के अनुसार, चीन अपने जहाजों के माध्यम से ताइवान इलाके में गुआम के आसपास समुद्री तल का मानचित्रण कर रहा है। इससे उसे समुद्र के नीचे केबल बिछाने में मदद मिल सकती है और वह इसका सैन्य उपयोग भी कर सकता है।

सीरियाई विदेश मंत्री ने आईडीएफ हमलों पर कहा बाहरी हस्तक्षेप अनुचित

ब्रुसेल्स। सीरिया के विदेश मंत्री असद अल-शिबानी ने दक्षिणी सीरिया में इजराइली रक्षा बल (आईडीएफ) द्वारा किए गए टैंक हमलों पर परोक्ष रूप से प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ह्लकिसी को भी सीरिया के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप का अधिकार नहीं है। यह टिप्पणी उन्होंने सऊदी समाचार चैनल अल-हदथ से बातचीत के दौरान की, जब वे बीते दिनों बेदुइन जनजातियों और ड्रूज लड़ाकों के बीच हुई हिंसक झड़पों पर बोल रहे थे। यहीं पर इजराइल ने मंगलवार टैंकों पर हमला किया था। विदेश मंत्री शिबानी ने आगे कहा, हथियार उठाना सिर्फ राज्य की जिम्मेदारी है, किसी और की नहीं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सीरिया धीरे-धीरे फिर से अरब जगत और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी स्वाभाविक स्थिति में लौट रहा है। असद अल-शिबानी फिलहाल ब्रुसेल्स में हैं, जहां वे यूरोपीय संघ के अधिकारियों से कई अहम बैठकें कर रहे हैं। संयोग से, इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार भी वहीं मौजूद हैं, हालांकि दोनों नेताओं के बीच किसी सीधी मुलाकात की योजना नहीं है। गिदोन सार के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि कोई व्यक्तिगत बैठक निर्धारित नहीं है। गौरतलब है कि बीते दिनों सीरिया के स्वैदा प्रांत में ड्रूज मिलिशिया और सुन्नी बेदुइन जनजातियों के बीच हुई झड़पों में अब तक 89 लोगों की मौत हो चुकी है।

पनामा के प्रशांत तट पर 6.2 तीव्रता का भूकंप, नुकसान की सूचना नहीं

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
पनामा सिटी

पनामा के प्रशांत तट पर सोमवार को 6.2 तीव्रता का भूकंप आया, लेकिन फिलहाल किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, यह भूकंप स्थानीय समयानुसार दोपहर के आसपास पनामा के चिरिकी प्रांत में पंटा बुरीका से लगभग 210 किलोमीटर दक्षिण में, 10 किलोमीटर की गहराई पर आया। यह क्षेत्र कोस्टा रिका की सीमा के समीप स्थित है। भूकंप के झटके चिरिकी और पनामा के पश्चिमी हिस्सों में महसूस किए गए, जो भूकंपीय गतिविधियों के लिए जाना जाता है। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि भूकंप के कारण किसी भी प्रकार की सुनामी की आशंका नहीं है। पनामा की नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने बताया कि वह स्थिति पर नजर बनाए हुए है और अब तक किसी भी बुनियादी ढांचे को नुकसान की कोई पुष्टि नहीं हुई है।

टेम्पो गहरी खाई में गिरा, तीन लोगों की मौत, एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
डोडा

डोडा जिले के भरत रोड पर मंगलवार को एक टेम्पो अनियंत्रित होकर पास की गहरी खाई में गिर गया जिससे तीन लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। डोडा के उपायुक्त आईएएस हरविंदर सिंह ने बताया कि पोंडा में एक टेम्पो अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने अस्पताल अधिकारियों को घायलों के उचित इलाज के लिए सभी जरूरी सुविधाएँ सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। घटना के तुरंत बाद पुलिस और स्थानीय लोगों की एक टीम ने जल्द ही बचाव अभियान शुरू किया और घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुँचाया। अधिक जानकारी का इंतजार है।

धार्मिकम

कैलाश मानसरोवर यात्रा: वीजा प्रक्रिया में देरी

5000 से अधिक भारतीय तीर्थयात्री काठमांडू में फंसे

चीनी दूतावास की तरफ से वीजा प्रक्रिया में विलंब किए जाने के कारण यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू,

काठमांडू स्थित चीनी दूतावास की ओर से कैलाश मानसरोवर की यात्रा के लिए वीजा प्रक्रिया में देरी करने के कारण करीब 5000 से अधिक भारतीय श्रद्धालु काठमांडू में फंसे हुए हैं।

नेपाल में कैलाश मानसरोवर की यात्रा कराने वाले टूरिस्ट और ट्रैकिंग कंपनियों ने चीनी दूतावास से अनुरोध किया है कि वो वीजा प्रक्रिया में देरी किए बिना भारतीय श्रद्धालुओं को कैलाश मानसरोवर की यात्रा को सहज बनाने में मदद करे। भारतीय श्रद्धालुओं को कैलाश मानसरोवर की यात्रा कराने वाले टूर ऑपरेटरों के संगठन एसोसिएशन ऑफ कैलाश टूर ऑपरेटर्स नेपाल के महासचिव प्रदीप पंडित ने बताया कि चीनी दूतावास की तरफ से वीजा प्रक्रिया में विलंब किए जाने के कारण यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नेपाल और चीन को जोड़ने वाला तातोपानी नाका और रसुवा नाका दोनों ही इस बार बाढ़, बारिश तथा भूस्खलन के कारण बंद हो गए हैं। इस कारण से भी सड़क मार्ग से कैलाश मानसरोवर की यात्रा करने वाले भारतीय श्रद्धालुओं को परेशानी हो रही है।

प्रमोद पंडित ने बताया कि इस समय पांच हजार से अधिक भारतीय तीर्थयात्री काठमांडू में ही फंसे हुए हैं। उन्होंने बताया कि नेपाल सरकार के माध्यम से तथा स्वयं टूर ऑपरेटर्स भी चीनी दूतावास के अधिकारियों से वीजा प्रक्रिया में देरी नहीं करने के लिए बार-बार आग्रह कर रहे हैं लेकिन चीनी दूतावास की तरफ से सकारात्मक जवाब नहीं मिल रहा है। नेपाल के विदेश मंत्रालय की तरफ से भी चीनी दूतावास से समन्वय का काम किए जाने की जानकारी दी गई है। विदेश सचिव अमृत राय ने बताया कि वो खुद चीनी राजदूत से मिल कर इस समस्या को यथाशीघ्र समाधान करने के लिए आग्रह कर चुके हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को तीसरे टेस्ट में 176 रन से हराया, श्रृंखला 3-0 से जीती

स्टार्क ने झटके 6 विकेट, बोलैंड ने ली हैट्रिक, केवल 27 रन पर सिमटी वेस्टइंडीज

एजेंसी (हि.स.)

सबिना पार्क, जमैका

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने सोमवार (भारतीय समयानुसार मंगलवार) को अपने 100वें टेस्ट मैच को यादगार बनाते हुए वेस्टइंडीज के खिलाफ ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। पिंक बॉल से खेले जा रहे इस मुकाबले के तीसरे दिन उन्होंने महज 9 रन देकर 6 विकेट झटके, जिसमें उनके टेस्ट करियर का 400वां विकेट भी शामिल था। वहीं स्कॉट बोलैंड ने हैट्रिक लेकर वेस्टइंडीज की पारी को पूरी तरह ढहा दिया।

वेस्टइंडीज की टीम मात्र 27 रन पर सिमट गई, जो टेस्ट इतिहास का दूसरा सबसे कम स्कोर है। इस शर्मनाक प्रदर्शन के साथ मेजबान टीम को 176 रन से हार का सामना करना पड़ा और ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज पर 3-0 से कब्जा कर लिया। ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को जीत के लिए 204 रन का लक्ष्य दिया था। जवाब

फोटोः हि.स.

में स्टार्क ने पहले ही ओवर में तीन विकेट लेकर तहलका मचा दिया। उन्होंने जॉन कैम्पबेल को पहली गेंद पर आउट किया, फिर केवलॉन एंडरसन को एल्बीडब्ल्यू किया और अगली गेंद पर ब्रैंडन किंग के स्टंप उड़ा दिए। वेस्टइंडीज का स्कोर 0 पर 3 हो गया – जो टेस्ट इतिहास में सिर्फ छठी बार हुआ है। स्टार्क ने अपनी दूसरी ओवर की पहली ही गेंद पर मिकाइल लुईस को पवेलियन भेजा और टेस्ट करियर में 400 विकेट पूरे किए। फिर शाई होप को भी एलबीडब्ल्यू कर दिया। उन्होंने महज 15 गेंदों में पांच विकेट लेकर नया रिकॉर्ड बनाया, जो टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज पांच विकेट हैं।

इसके बाद स्कॉट बोलैंड ने भी कहर बरपाया। उन्होंने जस्टिन ग्रेव्स, शमार जोसेफ और जोमेल वॉरिकन को लगातार गेंदों पर आउट कर हैट्रिक पूरी की। यह वेस्टइंडीज का 14.3 ओवर में समापन था और वे टेस्ट इतिहास के सबसे कम स्कोर (न्यूजीलैंड का 26 रन) से केवल एक रन ज्यादा बना सके – वह भी एक फील्डिंग मिस के चलते।

वेस्टइंडीज ने रचा शर्मनाक इतिहास, टेस्ट क्रिकेट में बनाया दूसरा सबसे कम स्कोर

जमैका। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम ने टेस्ट क्रिकेट इतिहास में एक और शर्मनाक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबीना पार्क, जमैका में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज मात्र 27 रन पर ऑलआउट हो गई। यह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास का दूसरा सबसे कम स्कोर है। इससे पहले, टेस्ट क्रिकेट का सबसे कम स्कोर न्यूजीलैंड के नाम है, जिसने 1955 में इंग्लैंड के खिलाफ मात्र 26 रन बनाए थे। वेस्टइंडीज की पारी 14.3 ओवर में ही सिमट गई। जस्टिन ग्रेव्स 24 गेंदों में 11 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। वहीं, ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टार्क ने घातक गेंदबाजी करते हुए 9 रन देकर 6 विकेट झटके, जबकि स्कॉट बोलैंड ने हैट्रिक लेकर वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 204 रन के लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए यह मैच 176 रनों से जीत लिया।

टेस्ट क्रिकेट के न्यूनतम स्कोर (टॉप 5)

1. न्यूजीलैंड	26 रन बनाम इंग्लैंड, 1955
2. वेस्टइंडीज	27 रन बनाम ऑस्ट्रेलिया, 2025
3. दक्षिण अफ्रीका	30 रन बनाम इंग्लैंड, 1896
4. दक्षिण अफ्रीका	30 रन बनाम इंग्लैंड, 1924
5. दक्षिण अफ्रीका	35 रन बनाम इंग्लैंड, 1899

निचले क्रम का जुझारूपन और साहस काबिले तारीफ: शुभमन गिल

- कहा, अंतिम दो दिन बल्लेबाजी में लय नहीं मिलने के कारण 192 रन का लक्ष्य मुश्किल बन गयाा

एजेंसी (हि.स.)

लंदन

फोटोः हि.स.

भारत के कप्तान शुभमन गिल ने लॉर्ड्स टेस्ट में टीम की कड़ी लड़ाई और खासतौर पर निचले क्रम के खिलाड़ियों के जुझारूपन की सराहना की। भारत इस रोमांचक मुकाबले में अंतिम सत्र तक मुकाबला करता रहा, लेकिन जीत से महज 22 रन दूर रह गया। पांचवें दिन के पहले सत्र में भारत की स्थिति बेहद खराब रही और टीम 82 रन पर सात विकेट खो बैठी थी। जीत के लिए अभी भी 111 रन की दरकार थी, लेकिन रवींद्र जडेजा ने नितीश रेड्डी, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के साथ क्रमशः 30, 35 और 23 रनों की साझेदारी कर भारत को जीत के करीब ला दिया।

गिल ने मैच के बाद कहा, ह्लजडेजा भारत के सबसे मूल्यवान खिलाड़ियों में से एक हैं। इस सीरीज में उन्होंने लगातार चौथी फिफ्टी लगाई है और जिस तरह से उन्होंने संयम और धैर्य दिखाया, वह शानदार था। उन्होंने 55 में से 30 ओवर बल्लेबाजी की और 99 में से 61 रन बनाए। यह दिखाता है कि वह कितने भरोसेमंद खिलाड़ी हैं। निचले क्रम के साथ बल्लेबाजी करना हमने पहले दो मैचों में चर्चा की थी और आज जो साहस और जज्बा उन्होंने दिखाया, वो प्रशंसनीय है। गिल ने माना कि अंतिम दो दिन बल्लेबाजी में लय नहीं मिलने के कारण 192 रन का लक्ष्य मुश्किल बन गया। यशस्वी जायसवाल के शुरूआती विकेट के बाद राहुल और करुण नायर ने कुछ स्थिरता दी थी, लेकिन चौथे दिन स्टंप्स तक भारत 58/4 पर पहुंच चुका था, जिसमें गिल और नाइटहॉक आकाश दीप भी आउट हो गए थे। उन्होंने कहा, ह्लअगर शीर्ष क्रम में एक-दो 50 रन की साझेदारी हो जाती, तो बाद में बल्लेबाजी आसान हो जाती, यह पहली बार था जब हमने सीरीज में वैसा प्रदर्शन नहीं किया, जैसा करते आए हैं। लेकिन ऐसा होता है। हमें लगा कि 192 का लक्ष्य हासिल किया जा सकता था, अगर हम शुरूआती 20-25 ओवर संभाल लेते। मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच हुई स्लेजिंग को लेकर गिल ने कहा, ह्लथोड़ी बहुत गर्मा क्रिकेट का हिस्सा होती है। दोनों टीमें अपना सबकुछ झोंक देती हैं। ऐसे में थोड़ा तनाव होना स्वाभाविक है, लेकिन इसमें कोई दुश्मनी नहीं है। अगली बार जब दोनों टीमें आमने-सामने होंगी, तो आपस में वही सम्मान रहेगा।

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 से बाहर हुए शोएब बशीर

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

इंग्लैंड के ऑफस्पिनर शोएब बशीर को हाथ की उंगली में फ्रैक्चर होने के कारण भारत के खिलाफ जारी एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 के बाकी बचे दो टेस्ट मैचों से बाहर कर दिया गया है। बशीर जल्द ही इस चोट के लिए सर्जरी करवाएंगे। बशीर को यह चोट तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन लगी, जब उन्होंने रविंद्र जडेजा का कैच पकड़ने की कोशिश की। यह घटना भारत की पहली पारी के 78वें ओवर में हुई। चोट लगने के बाद वे मैदान से बाहर चले गए और शेष पारी में वापसी नहीं कर सके।

हालांकि, इंग्लैंड की दूसरी पारी में वे बल्लेबाजी के लिए उतरे और 9 गेंदों में 2 रन बनाए। टेस्ट के पांचवें दिन भी बशीर ज्यादातर समय मैदान से बाहर रहे, लेकिन जब भारत के निचले क्रम के बल्लेबाज इंग्लैंड को परेशान कर रहे थे, तब उन्हें गेंदबाजी के लिए बुलाया गया। आखिरकार, बशीर ने मोहम्मद सिराज का विकेट लेकर इंग्लैंड को रोमांचक जीत दिलाई। सीरीज में बशीर ने तीन टेस्ट में कुल 10 विकेट चटकाए और उनका गेंदबाजी औसत 54.1 रहा। पिछले कुछ वर्षों में बशीर इंग्लैंड के प्रमुख स्पिनर के रूप में उभरे हैं और उन्होंने अपने समरसेट टीममेट जैक लीच को पीछे छोड़ते हुए टीम में जगह बनाई थी। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि बशीर की अनुपस्थिति में जैक लीच की टीम में वापसी होती है या नहीं। रेहान अहमद, लियाम डॉसन और टॉम हार्टली जैसे नाम भी चयन की दौड़ में शामिल हैं।

लुका मोड्रिक एसी मिलान से जुड़े

- एक साल का किया करार

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

क्रोएशिया के कप्तान और दिग्गज मिडफील्डर लुका मोड्रिक ने रियल मैड्रिड से 13 साल का लंबा सफर खत्म कर इटली के प्रसिद्ध क्लब एसी मिलान के साथ एक साल का करार किया है। इस अनुबंध को जून 2027 तक बढ़ाने का विकल्प भी शामिल है। सोमवार को सीरी ए क्लब एसी मिलान ने इसकी आधिकारिक पुष्टि की। 39 वर्षीय मोड्रिक की मिलान में एंट्री की पुष्टि क्लब के नए कोच मास्सिमिलियानो एलेग्री ने इस महीने की शुरूआत में ही कर दी थी। मोड्रिक मिलान के लिए जर्सी नंबर 14 पहनेंगे।

मोड्रिक को दुनिया के महानतम मिडफील्डरों में गिना जाता है। उन्होंने मई में घोषणा की थी कि क्लब वर्ल्ड कप के बाद वह रियल मैड्रिड को अलविदा कहेंगे। उन्होंने स्पेनिश क्लब के लिए 597 मैच खेले और 28 ट्रॉफियां जीतीं, जिनमें चार ला लीगा और छह चैंपियंस लीग खिताब शामिल हैं। रियल मैड्रिड के लिए उन्होंने अपना अंतिम मुकाबला बुधवार को खेला, जिसमें वह क्लब वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पेरिस सेंट जर्मेन के खिलाफ दूसरे हाफ में सब्स्टीट्यूट के रूप में उतरे। इस मैच में रियल को 0-4 की हार झेलनी पड़ी। मैच के बाद रियल मैड्रिड के मैनेजर और पूर्व खिलाड़ी जाबी अलोंसो ने कहा, ‘यह एक कड़वा अंत है... वह विश्व फुटबॉल और रियल मैड्रिड के लिए एक लीजेंड हैं। उन्हें उनके शानदार योगदान के लिए हमेशा याद किया जाएगा, न कि आज के 25 मिनट के खेल के लिए। क्रोएशिया के अब तक के सबसे बेहतरीन खिलाड़ी माने जाने वाले मोड्रिक ने अपने देश के लिए 188 मुकाबलों में 28 गोल किए हैं। उन्होंने 2018 फीफा विश्व कप में क्रोएशिया को पहली बार फाइनल तक पहुंचाया और गोल्डन बॉल जीती। उसी साल उन्होंने बैलन डी'ऑर भी जीता और 2007 के बाद पहले खिलाड़ी बने जिन्होंने लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो की बादशाहत को तोड़ा।

मोड्रिक की एंट्री से एसी मिलान का मिडफील्ड और मजबूत हो गया है, जहां पहले से यूसुफ फोफाना, युनुस मुसाह और रुबेन लॉफ्टस-चीक जैसे खिलाड़ी हैं। साथ ही सैमुएल रिक्की भी इस महीने की शुरूआत में टोरिनो से मिलान में शामिल हुए हैं। गौरतलब है कि एसी मिलान पिछले सीजन इटालियन टॉप-फ्लाइट लीग में आठवें स्थान पर रही थी और किसी भी यूरोपीय प्रतियोगिता में क्वालिफाई नहीं कर पाई थी। क्लब अपना सीरी ए अभियान 23 अगस्त को नवप्रवेशित क्रेमोनेसे के खिलाफ शुरू करेगा।

गिल तकनीकी रूप से उतने मजबूत नहीं दिखे, जितने हमेशा दिखते थे: वॉन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा कि भारतीय कप्तान शुभमन गिल तीसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए उतरे तो वह तकनीकी रूप से मजबूत नहीं दिखे और उन्होंने धैर्य की कमी भी नजर आई। गिल ने श्रृंखला के पहले दो टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन किया।। उन्होंने हेडिंग्ले में पहले टेस्ट में शतक बनाया और फिर बर्मिंघम में शतक और दोहरा शतक जड़कर कई रिकॉर्ड तोड़े। उनकी शानदार बल्लेबाजी से भारत में यह मैच 336 रन से जीता था। हालांकि, वह लॉर्ड्स टेस्ट में केवल 16 और छह रन ही बना सके, जिसमें ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और पुछल्ले बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन के बावजूद भारत 22 रन से हार गया। वॉन ने 'द टेलीग्राफ' में अपने कॉलम में लिखा, जब तीसरे दिन मैच में प्रतिद्वंद्विता अपने चरम पर पहुंच गई तो मुझे लग गया था कि इससे इंग्लैंड की टीम बाकी बचे मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाएगी। शुभमन गिल चौथे दिन बल्लेबाजी के लिए आए तो वह तकनीकी रूप से उतने मजबूत नजर नहीं आए और उनमें धैर्य की कमी भी दिखी लेकिन उनकी टीम ने इस रोमांचक टेस्ट मैच में सोमवार को कड़ी टक्कर दी। उन्होंने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स की प्रशंसा करते हुए कहा कि मेजबान टीम की रोमांचक जीत कप्तान की विजयी मानसिकता पर आधारित थी।

टीम का प्रदर्शन दिल तोड़ने वाला और शर्मनाकः रोस्टन चेस

एजेंसी (हि.स.)

किंग्स्टन (जमैका)

फोटोः हि.स.

वेस्टइंडीज के कप्तान रोस्टन चेस ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट में टीम की शर्मनाक हार को ‘दिल तोड़ने वाला’ और ‘शर्मनाक’ बताया है। सबीना पार्क में खेले गए इस मुकाबले में वेस्टइंडीज की टीम महज 27 रन पर ऑलआउट हो गई और तीन मैचों की सीरीज 0-3 से गंवा दी। 204 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की पूरी टीम महज 14.3 ओवर में 27 रन पर सिमट गई। यह टेस्ट क्रिकेट इतिहास का दूसरा सबसे कम स्कोर है। इससे पहले 1955 में न्यूजीलैंड की टीम इंग्लैंड के खिलाफ 26 रन पर ढेर हुई थी। वेस्टइंडीज की यह अब तक की सबसे खराब पारी रही, जो उनके पिछले न्यूनतम स्कोर 47 से भी 20 रन कम है। टीम की बल्लेबाजी इतनी निराशाजनक रही कि शीर्ष छह बल्लेबाजों ने मिलकर सिर्फ 6 रन बनाए, जो टेस्ट इतिहास में एक रिकॉर्ड है। साथ ही यह पहला मौका था जब किसी टीम की पारी में सात खिलाड़ी खाता खोले बिना आउट हुए। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने भी इतिहास रचते हुए सबसे तेज टेस्ट 'पांच विकेट' अपने नाम किया। उन्होंने महज 15 गेंदों में वेस्टइंडीज के शीर्ष पांच विकेट चटकाए, जिनमें से तीन विकेट पहले ही ओवर में आए। स्टार्क ने 6 विकेट लिए। चेस ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, यह बहुत निराशाजनक है। हम हर टेस्ट में ऐसे मौके बना रहे हैं जहां से जीत की संभावना होती है, लेकिन आखिरी पारी में हम बिल्कुल बिखर जाते हैं। यह काफी दिल तोड़ने वाला है।

धरती पर पारिस्थितिकी संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं सांप

हर साल 16 जुलाई को मनाया जाने वाला विश्व सर्प दिवस दुनिया भर में विभिन्न प्रजातियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने का आग्रह करता है। विश्व सर्प दिवस पारिस्थितिकी संतुलन को बनाए रखने और संरक्षण प्रयासों को बढ़ावा देने में सांपों की अहम भूमिका के बारे में जागरूकता पैदा करने का प्रयास करता है। उनके बारे में गलत धारणा और मिथकों के बावजूद, रेंगने वाली आबादी को नियंत्रित करने और बीमारियों के प्रसार को रोकने में सांप जरूरी हैं। भारत में सांपों की लगभग 300 प्रजातियां पाई जाती हैं और दुनिया भर में सर्प दिवस सांपों के संरक्षण के महत्व को बढ़ावा देने और गलत धारणाओं को दूर करने का एक सबसे अच्छा दिन है। भारतीय पौराणिक कथाओं में सांपों को पवित्र प्राणी के रूप में दिखाया गया है, जिन्हें नाग भी कहा जाता है। भारत में पाई जाने वाली सांपों की विभिन्न प्रजातियों को देखते हुए, जिनमें भारतीय कोबरा, किंग कोबरा और रसेल वाइपर शामिल हैं। इस दिन का उद्देश्य आवास के नुकसान और मानव-पशु संघर्ष के कारण इन प्रजातियों की घटती आबादी की ओर ध्यान आकर्षित करना है।

वर्ल्ड स्नेक डे का इतिहास

हर साल 16 जुलाई को पूरी दुनिया में विश्व सांप दिवस यानी वर्ल्ड स्नेक डे मनाया जाता है। इस दिन को मनाने की शुरूआत सबसे पहले साल 1970 हुई है। दरअसल, ऐसा माना जाता है कि साल 1967 में टेक्सास में सांपो के लिए एक फर्म की शुरूआत हुई, जो धीरे-धीरे 1970 तक काफी मशहूर हो गई। इस फर्म ने लोगों को सांपो के प्रति जागरूक करने का भी काम किया। इस दौरान फर्म ने ही 16 जुलाई को सांपों को लेकर विशेष आयोजन किए, जिसे देख बाद में अन्य एनजीओ ने भी सांपों के बारे जागरूकता फैलानी शुरू कर दी और इस तरह इस दिन की शुरूआत हुई।

वर्ल्ड स्नेक डे का मकसद

इस दिन को मनाने का खास मकसद दुनियाभर में लोगों को सांपों के प्रति जागरूक करना है। साथ ही यह दिन सांपों से संबंधित भ्रांतियों को दूर करने के मकसद से भी मनाया जाता है। इस मौके पर दुनिया भर में लोग सांप के प्रति अपना प्यार जाहिर करने के लिए तरह-तरह के कार्यक्रम आयोजित करते हैं। साथ ही लोगों को सांप के बारे में जागरूक भी करते हैं।

दुनियाभर में सांपों की कई प्रजाति

दुनियाभर में सांपों की 3500 से अधिक विभिन्न प्रजातियां पाई जाती हैं। इनमें 300 प्रजातियां केवल भारत में हैं। यही वजह है कि आपको अपने क्षेत्र के आसपास कोई न कोई सांप की प्रजाति जरूर देखने को मिली होगी। हालांकि, सांपों की इन प्रजातियों में से 25% से कम यानी 3500 में से 600 ही विषैले होते हैं। चूंकि सांपों की सिर्फ 200 प्रजातियां ही लोगों के लिए बड़ा खतरा पैदा करती हैं, इसलिए वे उतनी डरावनी नहीं हैं जितनी दिखाई दे सकती हैं। दुनिया के कुछ सबसे खतरनाक सांप निम्न हैं-मैनी बैंडेड क्रेट, ग्रीन मांबा, ब्लैक मांबा, फिलीपीन कोबरा, टाइगर स्नेक, इनलैंड ताइपन, सॉ-स्केल्ड वाइप।

हमारी किस तरह मदद कर सकते हैं सांप?

- सांप शिकारियों, पारिस्थितिकी तंत्र इंजीनियरों के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और मनुष्यों को आर्थिक और चिकित्सीय लाभ प्रदान करते हैं।
- सांप कई दवाओं का स्रोत भी हैं। सांप के काटने के लिए एकमात्र सिद्ध और प्रभावी उपचार - सांप-विरोधी विष, भी सांप के जहर से प्राप्त होता है।
- सांप के जहर को घोड़ों और भेड़ों में इंजेक्ट किया जाता है। विष के खिलाफ एंटीबॉडी वाले जानवरों के प्लाज्मा को एकत्र किया जाता है और जीवन रक्षक, सांप विरोधी विष का उत्पादन करने के लिए शुद्ध किया जाता है।
- सांप बीमारी की रोकथाम में भी भूमिका निभाते हैं और कृषि समुदायों को लाभ प्रदान करते हैं। कृंतक कई जूनोटिक बीमारियों (जैसे लाइम रोग, लेप्टोस्पायरोसिस, लीशमैनियासिस, हंटावायरस) के वाहक होते हैं जो मनुष्यों, कुत्तों, मवेशियों, भेड़ों और अन्य पालतू जानवरों को प्रभावित करते हैं।
- 'पारिस्थितिकी तंत्र-इंजीनियर' के रूप में सांप 'द्वितीयक बीज फैलाव' की सुविधा प्रदान करते हैं, इस प्रकार पौधों के प्रजनन में योगदान करते हैं।
- कृन्तकों को खाकर, सांप कृन्तकों की आबादी को नियंत्रण में रखते हैं, इस प्रकार जूनोटिक रोग संचरण को रोकते हैं, और खाद्य सुरक्षा में योगदान करते हैं।

उपायुक्त, चंडीगढ़ की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

संवाददाता
चंडीगढ़

जिला सड़क सुरक्षा समिति की एक बैठक निशांत कुमार यादव, आईएएस, उपायुक्त, चंडीगढ़ की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में एसएसपी (यातायात एवं सुरक्षा), एसडीएम, स्वास्थ्य सेवाएं विभाग (डीएचएस), अभियंत्रण विभाग, मुख्य वास्तुकार कार्यालय, आबकारी विभाग तथा नगर निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा, यातायात प्रबंधन तथा जनसुविधा से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में निम्नलिखित निर्देश जारी किए गए:

स्पीड लिमिट मैपिंग परियोजना में विसंगतियाँ: बैठक में अवगत कराया गया कि लेप्टन सॉफ्टवेयर द्वारा गूगल मैप्स के सहयोग से चंडीगढ़ की सड़कों पर डिजिटल नेविगेशन प्लेटफॉर्म पर सटीक आधिकारिक गति सीमा प्रदर्शित करने हेतु स्पीड लिमिट मैपिंग परियोजना का मूल्यांकन किया गया। डाटा सत्यापन के दौरान पाया गया कि आधिकारिक अधिसूचित गति सीमाओं और वर्तमान में सड़कों पर लगे संकेत बोर्डों में कई विसंगतियाँ हैं। सर्वेक्षण में 1131 सड़क खंडों में से 637 स्थानों पर ऑन-ग्राउंड साइनबोर्ड और आधिकारिक आंकड़ों में मेल नहीं था। इसके अतिरिक्त, 178 स्थानों पर कोई गति सीमा संकेतक नहीं पाया गया तथा 175 स्थानों पर दुपहिया वाहनों हेतु गति सीमा बोर्ड नहीं थे। इन विसंगतियों को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने अभियंत्रण विभाग, पुलिस (यातायात शाखा) सहित सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि गलत गति सीमा संकेतकों को तुरंत दुरुस्त किया जाए। उन्होंने कहा कि सटीक संकेतक न केवल यात्रियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं, बल्कि गति नियंत्रण नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु महत्वपूर्ण हैं।

सेक्टर 29/30 लाइट प्वाइंट पर अतिक्रमण और अवैध पार्किंग: एसडीएम (पूर्व) द्वारा संबंधित विभागों के साथ एक संयुक्त सर्वेक्षण किया जाएगा। अभियंत्रण विभाग को सख्त प्रवर्तन योजना तैयार करने का कार्य सौंपा गया है, जिसमें बाउंड्री वॉल का निर्माण एवं अवैध वाहन प्रवेश व पार्किंग को रोकने हेतु आयरन रेलिंग लगाने की कार्रवाई शामिल होगी।

सेक्टर 9/10 जन मार्ग पर गति नियंत्रण उपाय: जन सुरक्षा को बढ़ाने के लिए मुख्य अभियंता, यूटी को इस व्यस्त मार्ग पर उचित गति नियंत्रण उपाय लागू करने के निर्देश दिए गए। अभियंत्रण विभाग को 15 मिमी ऊँची स्ट्रिप्स लगाने हेतु कहा गया जिससे वाहनों की गति प्रभावी रूप से कम की जा सके। यह कार्य मानसून उपरांत किया जाएगा।

नवोटेल होटल, ट्रिब्यून चौक के निकट अवैध टैक्सी स्टैंड: मुख्य अभियंता, यूटी को इस क्षेत्र में अवैध टैक्सी संचालन पर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। अवैध प्रवेश को रोकने के लिए क्रैश गार्ड ग्रिल्स की स्थापना का कार्य प्रगति पर है, जो जुलाई 2025 के पहले सप्ताह तक पूर्ण होने की संभावना है। यातायात पुलिस को इस विषय पर कार्रवाई प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

धनास लाइट प्वाइंट पर शराब दुकान पर चिंता: उपायुक्त ने धनास लाइट प्वाइंट पर शराब दुकान के संचालन पर गंभीर चिंता व्यक्त की, जहाँ न पर्याप्त पार्किंग की सुविधा है और नजदीक ही एक भीड़भाड़ वाला चौराहा स्थित है। उन्होंने आबकारी विभाग को निर्देश दिया कि भविष्य में इस स्थान को आबंटन हेतु विचार में न लिया जाए तथा स्थानांतरित करने हेतु एक उपयुक्त स्थल तलाशा जाए। साथ ही यह भी कहा कि आगामी आबकारी नीलामी में इस स्थान को विचार से बाहर रखा जाए।

उपायुक्त ने सड़क सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करने तथा सुचारू नगरीय गतिशीलता सुनिश्चित करने हेतु सभी विभागों में समन्वित एवं सतत प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए कि बैठक में लिए गए निर्णयों का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

पीजीआईएमईआर के प्लास्टिक सर्जरी विभाग ने त्वचादान जागरूकता पर संगोष्ठी के साथ विश्व सर्जरी दिवस मनाया

संवाददाता
चंडीगढ़

विश्व प्लास्टिक सर्जरी दिवस की पूर्व संध्या पर, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ के प्लास्टिक सर्जरी विभाग ने जले हुए घावों की देखभाल में त्वचादान की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक त्वचादान जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में जीवन को पुनर्स्थापित करने, पुनर्निर्माण करने और पुनर्निर्माण में प्लास्टिक सर्जरी के व्यापक उद्देश्य का भी जश्न मनाया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन पीजीआईएमईआर के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विपिन कौशल ने मुख्य अतिथि के रूप में किया, जिन्होंने त्वचादान को बढ़ावा देने और जन शिक्षा के लिए विभाग के सक्रिय दृष्टिकोण की सराहना की। पीजीआईएमईआर की मुख्य नर्सिंग अधिकारी सुश्री जसपाल कौर मुख्य अतिथि थीं और उन्होंने जमीनी स्तर पर जागरूकता और दानदाताओं को प्रेरित करने में नर्सिंग अधिकारियों की अपरिहार्य भूमिका पर जोर दिया। प्रतिवर्ष 15 जुलाई को मनाया जाने वाला विश्व प्लास्टिक सर्जरी दिवस, इस विशेषज्ञता की परिवर्तनकारी शक्ति के प्रति एक श्रद्धांजलि है। प्लास्टिक सर्जरी को अक्सर विशुद्ध रूप से कॉस्मेटिक समझ लिया जाता है, लेकिन इसकी जड़ें पुनर्निर्माण कार्यों में गहराई से जमी हुई हैं– इस आयोजन के बारे में बोलते हुए, प्लास्टिक सर्जरी विभाग के प्रमुख डॉ. अतुल पाराशर ने बताया कि कैसे पीजीआईएमईआर ने बर्न केयर, स्किन बैंकिंग और पुनर्निर्माण सर्जरी में लगातार प्रगति की है। उन्होंने कहा कि दान की गई त्वचा की उपलब्धता में एक बड़ा अंतर बना हुआ है–एक ऐसा संसाधन जो अक्सर गंभीर रूप से जले हुए मरीजों के लिए जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर होता है। प्लास्टिक सर्जरी के प्रोफेसर और पीजीआई स्किन बैंक के नोडल अधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार ने बताया कि संगोष्ठी में पीजीआई के 250 से अधिक नर्सिंग अधिकारियों ने भाग लिया। डॉ. अतुल पाराशर ने जोर देकर कहा, अंगदान की तरह ही त्वचा दान भी जीवन का एक उपहार है - और प्रत्येक स्वास्थ्य सेवा कर्मी उस उपहार के लिए उत्प्रेरक हो सकता है। उन्होंने कहा कि नैदानिक उत्कृष्टता को सामुदायिक पहुंच के साथ जोड़कर, पीजीआईएमईआर का प्लास्टिक सर्जरी विभाग न केवल जीवन बचा रहा है, बल्कि विश्व प्लास्टिक सर्जरी दिवस की सच्ची भावना को भी मूर्त रूप दे रहा है: जरूरतमंद लोगों में आशा, पहचान और कार्यक्षमता बहाल करने के लिए सर्जिकल कौशल का उपयोग करना।

संक्षिप्त-समाचार

भारतीय जनता पार्टी चंडीगढ़ के सीनियर नेता श्री रामबीर भट्टी जी चौथी बार प्रदेश महामंत्री बनने पर जिला रानी लक्ष्मीभाई के पूर्व अध्यक्ष सतपाल वर्मा ने माला डाले करे स्वागते किया।

गुरुद्वारा सिंह सभा ने डॉक्टर रचयिता माथुर को सिरोपा देकर सम्मानित किया

मोहाली। मोहाली स्थित गुरुद्वारा सिंह सभा सेक्टर 71 द्वारा फिजियोथैरेपी क्लीनिक में कार्यरत डॉक्टर रचियता माथुर को मरीजों की उत्कृष्ट सेवाओं के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। मोहाली गुरुद्वारा सिंह सभा ने अपने गुरुघर स्थापना दिवस के अवसर पर विशेष गुरुमति समागम का आयोजन किया। इस अवसर पर जत्थेदारों ने कीर्तन ओर गुरबाणी से संगत को निहाल किया। इसके बाद डॉक्टर रचियता माथुर को सिरोपा पहना कर उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया डॉक्टर रचियता ने इस अवसर पर बताया कि वह अपने आप को सम्मानित महसूस कर रही है उनका मुख्य उद्देश्य लोगों की सेवा करना है उनका एक ही मकसद है कि जो बीमार आए राजी होकर जाए, डॉक्टर साहब ने बताया कि कि वह लगभग 15 से 20 मरीजों को रोजाना देखती है तथा उनके पास आने वाले मरीज ठीक होकर जाते हैं इसके बदले उन्हें आशीष ओर दुआ देते हैं और उनकी जिंदगी की यही एक मुख्य कमाई है। उन्होंने कहा कि उनके जीवन का मुख्य उद्देश्य पैसा कमाना नहीं बल्कि लोगों की सेवा करना है, ऐसा करके उन्हें न केवल आध्यात्मिक बल्कि आत्मिक शांति भी अनुभव होती है।

इनर व्हील क्लब मोहाली सिंफनी की अध्यक्ष बनी अमिता अरोड़ा

चंडीगढ़। इनर व्हील क्लब मोहाली सिंफनी द्वारा इंस्टालेशन सेरेमनी कार्यक्रम एक निजी रेस्टुरेंट सेक्टर 70 मोहाली मे हुआ इस अवसर पर क्लब मेंबर्स द्वारा दीप प्रज्वलित कर क्लब की प्रार्थना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया इस कार्यक्रम मे उत्कृष्ट सामाजिक कार्यो को ध्यान में रखते हुए क्लब के सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से अमिता अरोड़ा को अध्यक्ष पद के चयन 2025-26 के किया गया और पूर्व अध्यक्ष रंजनदीप गिल द्वारा क्लब कॉलर पहनाकर अमिता अरोड़ा को अध्यक्ष पद ग्रहण कराया इस अवसर पर कार्यकरणी का गठन भी सर्वसम्मति से हुआ उनके साथ सेक्रेटरी भावना पुरी, कोषाध्यक्ष संध्या मलिक, वाइस प्रेसिडेंट ज्योति ओबेरॉय, एडिटर कंवलजीत और आईएसओ सीमा मल्होत्रा ने भी कार्यभार संभाला। इस अवसर पर प्रेजिडेंट अमिता अरोड़ा कहा कि आगामी वर्ष में भी हम शिक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य तथा सामाजिक उत्थान के अन्य क्षेत्रों में अपना योगदान प्रदान करते रहेंगे।

सुश्रुत जयंती पर शल्य तंत्र विभाग द्वारा अंतरंग ओपीडी शिविर का आयोजन

पंचकूला। सुश्रुत जयंती के उपलक्ष्य में दिनांक 15 जुलाई को शल्य तंत्र विभाग द्वारा इंडोर ओपीडी नंबर 104 में एक विशेष ओपीडी शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सामान्य शल्य रोग, गुद रोग तथा अस्थि-संधि-मर्म रोगों से पीड़ित रोगियों के लिए आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ प्रो. सतीश गंधर्व (डीन इंचार्ज), प्रो. प्राद रघु, तथा डॉ. गौरव गार्ड (उद्धर) द्वारा किया गया, जो माननीय कुलपति प्रो. संजीव शर्मा तथा डीन प्रो. गुलाब पमानी के मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद में संपन्न हुआ। शिविर में रोगियों को निःशुल्क बोन मिनरल डेंसिटी (इटऊ) जांच एवं बायोथेसियोमीट्री टेस्ट की सुविधा प्रदान की गई। जांच से हड्डियों के स्वास्थ्य का मूल्यांकन कर उचित आहार एवं जीवनशैली संबंधी सलाह दी गई। बायोथेसियोमीट्री टेस्ट द्वारा नर्व डैमेज एवं न्यूरोपैथी की प्रारंभिक पहचान कर उसकी रोकथाम हेतु मार्गदर्शन दिया गया। कुल 125 रोगियों ने इस शिविर से लाभ प्राप्त किया। उन्हें निःशुल्क परीक्षण, विशेषज्ञ सलाह तथा व्यक्तिगत स्वास्थ्य परामर्श प्रदान किया गया। यह शिविर आचार्य सुश्रुत के शल्य चिकित्सा के योगदान को श्रद्धांजलि स्वरूप समर्पित रहा, जिसमें आयुर्वेदिक शल्य चिकित्सा के प्रति जनजागरूकता फैलाने का कार्य किया ।